RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 174 , गुरुवार, 06 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त गश्ती, सुरक्षा समन्वय हुआ और मजबूत 03

कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा सुदृढ़ करने पर जोर, अरेराज में शिक्षकों ... 04

महारानी सीजन 4 के लिए तैयारी शुरु, रानी भारती बनकर लौटेंगी हुमा... 07

संक्षिप्त समाचार

अभी नहीं मिलेगा सस्ता लोन,ईएमआई भी नहीं घटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप घर, गाड़ी या पर्सनल जरूरत के लिए सस्ते लोन का इंतजार कर रहे हैं, तो फिलहाल ये उम्मीद पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने ब्याज दर को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके मायने हैं कि नए लोन की तरह मौजूदा लोन और ईएमआई भी सस्ती नहीं होंगी। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 5 अगस्त को बताया कि दुनियाभर में जारी उठापटक की वजह से महंगाई बढ़ी है। इसके चलते फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं

किया गया है। आरबीआई का यह फैसला अपनी बचत के पैसे बैंक में रखने वालों के लिए राहतभरा है, क्योंकि एफडी पर मिलने वाला ब्याज फिलहाल कम नहीं होगा। हालांकि, सभी बैंक आरबीआई के बताए मुताबिक ब्याज दरें एक जैसी नहीं रखते, वे अपनी लागत और बाजार को देखकर इसमें थोड़ा बदलाव कर सकते हैं।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल-मई 2027 में आएंगे- पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी।

परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ करीब 50 मिनट इस मुद्दे पर बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिजिजू ने सदन में बिल पर चर्चा के लिए कांग्रेस से सहयोग मांगा। हालांकि राहुल गांधी ने इसके लिए सीधे मना कर दिया। राहुल पहले चढ़ावा चोरी और लाठीचार्ज के मुद्दे पर चर्चा और जवाब चाहते हैं। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद

परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला। विपक्षी सांसद 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें। इसको लेकर विपक्षी सांसद लोकसभा-राज्यसभा में हंगामा कर रहे हैं। सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक भी संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इस दौरान परिसीमन संशोधन बिल आया था लेकिन पास नहीं हो पाया था।

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना

7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है।

- **झारखंड की कई परीक्षाएं विवादों में रही हैं-** छात्रों का कहना है कि जेपीएससी की कई भर्ती परीक्षाएं विवादों में रही हैं। इसलिए वे सिर्फ 14वीं जेपीएससी परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे भर्ती सिस्टम में बदलाव चाहते हैं। उनकी मुख्य मांगें ये हैं- 14वीं जेपीएससी परीक्षा की सीबीआई और ईडी से जांच कराई जाए। सिर्फ एसटीएफ जांच पर उन्हें भरोसा नहीं है। फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाया जाए, ताकि मामले की सुनवाई जल्दी हो और तय समय में फैसला आए। टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड से कराई गई सभी परीक्षाएं रद्द की जाएं। छात्रों का आरोप है कि कंपनी से जुड़े एक अधिकारी पर भर्ती में गड़बड़ी के आरोप हैं।

राममंदिर में बिना पास के होंगे राम दरबार के दर्शन

आरती में शामिल होने के लिए तत्काल पास शुरू, ट्रस्ट में बदली व्यवस्था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार के दर्शन के लिए अब पास नहीं लगेगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंगलवार को पास की व्यवस्था खत्म कर दी। यानी अब राम मंदिर जाने वाला भक्त पूरे राम दरबार समेत पूरे मंदिर के दर्शन कर सकेगा। मंदिर की पहली मंजिल पर राम दरबार बना है। यह पिछले साल जून में बनकर तैयार हुआ था। शुरुआत में ट्रस्ट ने राम दरबार के दर्शन के लिए पास की अनिवार्यता इसलिए की थी कि श्रद्धालुओं की भीड़ को कैसे मैनेज किया जाए इसे समझा जा सके। करीब एक साल के ट्रॉयल के बाद ट्रस्ट ने इसे अब खत्म कर दिया। हालांकि, रामलला के दर्शन

के लिए सुगम पास की व्यवस्था जारी रहेगी। सुगम पास को जारी करने की अथॉरिटी ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा के पास थी। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया था। अब मैनेजमेंट ने 2 से 3 लोगों का ग्रुप बनाया है। यही सुगम पास जारी करेगा।

नए दैनिक पास बनाना बंद, पुराने 2,743 की हो रही समीक्षा

अयोध्या में ऐसे तमाम संत और स्थानीय लोग हैं, जो रोजाना रामलला के दर्शन करते हैं। ऐसे लोगों के लिए मंदिर ट्रस्ट ने दैनिक पास की व्यवस्था की है। हालांकि, चढ़ावा चोरी के पास से नए दैनिक पास जारी नहीं किए जा रहे हैं। इसके अलावा, 2,743 दैनिक पास जो पहले जारी हुए हैं, उनकी समीक्षा की जा रही है।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर जुकरबर्ग ने मांगी माफी

संसदीय समिति बोली थी-3 दिन में माफी मांगें, वरना कार्रवाई होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने सरकार से माफी मांग ली है। इससे पहले संसदीय समिति ने मेटा प्रमुख मार्क

जुकरबर्ग से 3 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा था। यह भी कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और कुछ छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। इसी मामले में आईटी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिन की बैठक भी चली। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को दिल्ली बुलाया है। 5 अगस्त को बैठक का पहला दिन था। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था।

युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

- सुप्रीम कोर्ट का मत, भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं

सर्वोच्च अदालत बोली-सरकार आक्रामक रवैये से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए।

सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई के संसद चलो मार्च के आयोजकों-प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस पर सुनवाई की है।

- **युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए-** चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हुई हों।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष आहत पद छोड़ने की दे डाली चेतावनी

कहा-मैं कुर्सी के योग्य हूं या नहीं सोचना पड़ेगा; एक दिन पहले सत्र खत्म

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा में मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को अध्यक्ष सतीश महाना ने पद छोड़ने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा- कल सदन में जो हुआ, उससे मैं आहत हूं। मेरे मन में पीड़ा है। मुझे पहली बार लगा कि या तो हमारे प्रयास में कहीं कमी रह गई या फिर डॉ. अंबेडकर की बात सही है कि कमी संविधान में नहीं, व्यक्तियों में होती है। उन्होंने कहा-मेरी लंबी राजनीतिक पारी अब अंतिम चरण में है। मुझे गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि पिछले साढ़े चार साल में जो किया, वह उचित था या अनुचित। इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं, इस पर भी विचार

करूंगा और जल्द निर्णय लूंगा। वहीं, सपा के हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। पहले कार्यवाही गुरुवार को भी चलनी थी। इसके चलते सीएम योगी ने विधानसभा के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- सपा का जो अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक चेहरा है, वह एक बार फिर सत्र के दौरान देखने को मिला।

प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

- झारखंड भी जाएंगे, अभिजीत दीपके ने कह दी बड़ी बात

संभाजी नगर (एजेंसी)। अभिजीत दिपके के घर बुधवार को कॉकरेज जनता पार्टी की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी ने आगे की रणनीति तैयार करने की चर्चा की। इस बैठक से पहले सीजेपी की फाउंडर अभिजीत दीपके ने मीडिया के सामने आए। उन्होंने इस दौरान मीडिया के सवालों के जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो आने समय में कोई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे तो उन्होंने जवाब दिया कि

सीजेपी एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगा, क्योंकि भारत को अभी एक प्रेशर ग्रुप की ही जरूरत है। जब उनसे पूछा गया कि वो झारखंड में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन करने वहां जाएंगे। इस पर अभिजीत दीपके ने कहा कि हम निश्चित रूप से झारखंड जाएंगे। हम वहां विरोध कर रहे छात्रों के साथ खड़े हैं। हम उनकी हर मांग का समर्थन करते हैं।

वहीं उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन इसलिए सफल रहा क्योंकि लोग अपनी विचारधाराओं और राजनीतिक पार्टियों से ऊपर उठकर उन चीजों के खिलाफ एकजुट हुए जो हमारे लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं। आज भारत को एक जन-आंदोलन की जरूरत है। इस दौरान अभिजीत दीपके मीडिया कर्मियों को चाय भी पिलाते दिखे। इसका वीडियो लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। कुछ लोग यह वीडियो शेयर कर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

यूपी में हाहाकार, हाईवे पर बह रही गंगा

- हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद
- झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुईं। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें हिमाचल की 160 और उत्तराखंड की 100 से ज्यादा सड़कें शामिल हैं। उत्तराखंड के देहरादून और

बागेश्वर में 12वीं तक के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है।

असम में 23 इलाके अब भी बाढ़ से प्रभावित- असम के शिवसागर जिले के नजीरा सब-डिवीजन में बाढ़ की स्थिति अब ज्यादातर इलाकों में काबू में है। हालांकि, 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। नापालिकुटी इलाके में बड़े पैमाने पर जमीन का कटाव हुआ है। जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार बारिश और नगालैंड से आए पानी के कारण कई गांव जलमग्न हो गए थे। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब राहत और बहाली का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक 26-27 लोगों की मौत हुई है।

यमन के पास भारतीय जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

विस्फोटकों से लदी सुसाइड बोट टकराई, जहाज डूबा, उसमें सवार सभी 13 भारतीय सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन तट के पास लाल सागर में भारतीय झंडे वाले कारोबारी जहाज पर हमला हुआ है। यह हमला ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने किया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विस्फोटकों से लदी एक सुसाइड बोट जहाज से टकरा गई। इसके बाद जहाज डूब गया। हालांकि, उसमें सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने जहाज एमएसवी फैजे नूर-ए-औलिया पर हुए हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब की राजधानी रियाद में भारतीय दूतावास हालात

पर लगातार नजर रखे हुए है और क्रू की सुरक्षा के लिए यमन के अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है।

अमेरिका-ईरान वार्ता की तारीख और जगह अब तक तय नहीं- अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित बातचीत को लेकर अभी तक तारीख और स्थान तय नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान और कतर संभावित मेजबान देशों के तौर पर चर्चा में हैं और दोनों देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान अब सीधी सैन्य जीत के बजाय समुद्री व्यापार, तेल आपूर्ति पर दबाव बनाना चाहता है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में बेकाबू पिकअप पलटी, बच्चे की मौत, ड्राइवर का गाड़ी से कंट्रोल हटा, 4 किशोर घायल

हाजीपुर। वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र के कुड़िया गांव के समीप एक अनियंत्रित पिकअप वाहन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। इस हादसे में पिकअप पर सवार 12 वर्षीय एक बालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पिकअप कुड़िया गांव की ओर से पातेपुर की तरफ आ रहा था। पातेपुर चौक से लगभग 300 मीटर आगे पहुंचने पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप पिकअप सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में इमादपुर निवासी मिथिलेश राय के 12 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वाहन में सवार चार अन्य लड़के गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। सभी घायल किशोरों का इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगा रही है।

पटना-मधुपुर, आरा-जसीडीह के लिए स्पेशल ट्रेनें

हाजीपुर। श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने दो नई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की घोषणा की है। रेलवे के अनुसार, पटना और मधुपुर के बीच प्रतिदिन तथा आरा और जसीडीह के बीच प्रत्येक रविवार को विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। यह व्यवस्था अगस्त के अंत तक लागू रहेगी। दैनिक श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (03555/03556) 29 अगस्त तक मधुपुर से प्रतिदिन रात 8:30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल, अशोकधाम, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा, पटना साहिब और राजेंद्रनगर होते हुए अगले दिन सुबह 4:05 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 30 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे पटना से खुलकर दोपहर 12:15 बजे मधुपुर पहुंचेगी। इसके अतिरिक्त, साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (03270/03269) का परिचालन 9 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रत्येक रविवार को किया जाएगा। यह ट्रेन आरा से रात 12:15 बजे रवाना होकर दानापुर, पटना, पटना साहिब, फतुहा, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा, अशोकधाम, किउल, जमुई और झाझा होते हुए दोपहर 12:10 बजे जसीडीह पहुंचेगी। वापसी में यह जसीडीह से दोपहर 12:30 बजे चलकर रात 11:45 बजे आरा पहुंचेगी। रेलवे ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों के परिचालन से बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने यात्रियों से यात्रा से पहले समय-सारिणी की जानकारी लेकर यात्रा करने की अपील की है।

वैशाली के भगवानपुर में 2 ट्रकों की टक्कर, अनानास लदे ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर, एनएच-22 पर मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना भगवानपुर पेट्रोल पंप के समीप हुई, जहां अनानास लदा ट्रक सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से पीछे से टकरा गया। मृतक की पहचान गोरौल थाना क्षेत्र के चेहराकला गांव निवासी पप्पू महतो(40) के रूप में हुई है। वह सिलीगुड़ी से ट्रक पर अनानास लादकर पटना जा रहे थे। मंगलवार रात करीब एक बजे भगवानपुर थाना क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप के पास फोरलेन पर उनका ट्रक एनएच किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक केबिन में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पप्पू महतो को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पप्पू महतो अपने चार भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। भगवानपुर थानाध्यक्ष सतेंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल चालक को अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के ट्रक को जब्त कर लिया है। जिस ट्रक में टक्कर हुई थी, उसका चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक और ट्रक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

मोटरसाइकिल चोरी करते पकड़ा गया युवक, पूछताछ में 4 आरोपी गिरफ्तार, 3 बाइक और चोरी के पार्ट्स बरामद

हाजीपुर। हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें, एक अन्य बाइक और कई खुले हुए वाहन पार्ट्स बरामद किए गए हैं। पुलिस को नियमित गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि जढुआ सब्जी मंडी के पास स्थानीय लोगों ने एक युवक को मोटरसाइकिल चोरी करते हुए पकड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को भीड़ से सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। उसकी पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर निवासी रोहित कुमार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसकी जेब से हीरो कंपनी की मास्टर चाबी मिली। घायल होने के कारण रोहित का पहले अस्पताल में इलाज कराया गया। पूछताछ में उसने अपने साथी नीतीश कुमार के साथ मिलकर कई बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने बिदुपुर स्थित नीतीश के घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वहां से चोरी की एक होंडा शाइन और एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई। नीतीश से पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों लाल दास भगत और लक्ष्मण कुमार के नाम सामने आए। पुलिस ने इन दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि यह गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों के पार्ट्स बदलकर उनकी पहचान मिटा देता था और फिर उन्हें बाजार में बेच देता था। पुलिस ने एक हीरो पैशन प्रो बाइक भी जब्त की है, जिसे बेचने की तैयारी थी। नगर थाना में चारों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

हाजीपुर समाहरणालय परिसर में मारपीट, वाहन पड़ाव टेंडर भरने को लेकर 2 पक्षों में झड़प, कई घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के समाहरणालय परिसर में वाहन पड़ाव टेंडर भरने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद परिसर में अफरातफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक वाहन पड़ाव के टेंडर के लिए चार-पांच व्यक्ति समाहरणालय पहुंचे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उन्हें टेंडर भरने से रोका और मारपीट शुरू कर दी। घायल रविन्द्र कुमार, जो नगर थाना के गांधी आश्रम के निवासी हैं, ने बताया कि वे अपने चार-पांच साथियों के साथ टेंडर भरने आए थे। तभी दूसरे पक्ष के दर्जनों लोग वहां पहुंचे और उन्हें टेंडर भरने से मना किया। उन्होंने कागजात फाड़ दिए और धमकी दी कि टेंडर भरने पर अंजाम बुरा होगा, जिसके बाद मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। नगर थाना अध्यक्ष सिकंदर कुमार ने बताया कि एक पक्ष द्वारा आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना में 3600 टन कचरा फैला, बदबू से सब परेशान

बीजेपी के 3 विधायक, एक सांसद यहीं से, आज कैबिनेट की बैठक, पहले इसका समाधान निकालिए

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम समेत बिहार के सभी नगर निकायों के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का आज 7वां दिन है। पटना में 7 दिनों में करीब 3600 टन से ज्यादा कचरा सड़कों पर जमा हो चुका है। लगातार बारिश के बीच फैले कचरे से बदबू फैल रही है। डेंगू, मलेरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। शहर के कई इलाकों में कूड़ा उठाव पूरी तरह ठप है। मौर्य लोक, कंकड़बाग, कदमकुआं, जगत नारायण रोड, खेतान मार्केट और वीरचंद पटेल पथ समेत कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हैं। सफाईकर्मियों की हड़ताल के कारण एंटी-लार्वा स्प्रे और फॉगिंग का काम भी प्रभावित हो गया है। नगर निगम की ओर से फिलहाल केवल प्रमुख सड़कों की सीमित सफाई कराई जा रही है। सड़कों पर फैले कचरे और बदबू से परेशान शहरवासी अब सरकार से इस समस्या का जल्द समाधान निकालने की अपील कर रहे हैं।। ये हाल तब है जब पटना

नगर निगम क्षेत्र में बीजेपी के 3 विधायक और एक सांसद पटना से हैं। आज कैबिनेट की मीटिंग भी होने वाली है। सभी मंत्री भी आज यहीं रहेंगे। इसके बावजूद कर्मचारियों से बात कर समस्या का समाधान नहीं निकाला जा रहा है।

कई बड़े नेताओं के घरों के आस-पास फैला कचराः नगर निगम की कोशिश से शहर की कुछ मेन सड़कों की ही सफाई हो पा रही है, लेकिन कई मोहल्लों से कूड़ा उठाना बंद कर दिया गया है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कई बड़े नेताओं के घरों और आसपास की सड़कों और गलियों में कूड़े के ढेर लगे हैं। वीरचंद पटेल पथ पर पॉलिटिकल पार्टी के ऑफिस के आस-पास भी कूड़ा फैला हुआ है। इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को हड़ताल को खत्म करने के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है।

निगम मुख्यालय में धारा 163 लागू, कर्मचारियों पर FIRः हड़ताल के दौरान नगर निगम मुख्यालय, मौर्य लोक परिसर में विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 लागू कर दी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इधर, सचिवालय थाने में हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ FIR भी दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने निगम के वाहनों की मरम्मत कर रहे कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई।

पटना के नौबतपुर में देर रात दो सड़क हादसे, चार युवक गंभीर रूप से घायल

एजेंसी, पटना

♦ सभी का रेफरल अस्पताल में इलाज जारी

पटना के नौबतपुर और पिपलावां थाना क्षेत्रों में मंगलवार देर रात नौबतपुर-मसौढ़ी मुख्य मार्ग पर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घटनाओं में बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहनों ने टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना एम्स रेफर कर दिया गया।

फतेहपुर के पास पहली दुर्घटनाः पहली घटना पिपलावां थाना क्षेत्र के फतेहपुर के समीप हुई। जानकारी के अनुसार, मसौढ़ी थाना क्षेत्र के उस्मानचक निवासी शिवा कुमार और राकेश कुमार मंगलवार देर रात काम से लौटकर बाइक से नौबतपुर से मसौढ़ी जा रहे थे। इसी दौरान फतेहपुर के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने पर पिपलावां थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

दूसरी दुर्घटना नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़ी टेंगरेला के पास हुई। यहां जानीपुर थाना क्षेत्र के गाजाचक निवासी सत्री कुमार और सुमित कुमार बाइक से जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें भी नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद पटना एम्स रेफर कर दिया गया। एक ही रात में नौबतपुर-मसौढ़ी मुख्य मार्ग पर दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार युवकों के गंभीर रूप से घायल होने से इलाके में चिंता का माहौल है।

राहगीर से पिस्टल की बल पर लूट का खुलासा

रानीघाट के पास 2 बदमाशों ने लूट थे रुपए और मोबाइल, पुलिस ने दोनों को पकड़ा

एजेंसी, पटना

पीरबहोर के सुनील वर्मा से सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के लॉ कॉलेज रानीघाट के पास कल लूट हुई थी। पिस्टल के बल पर 2 बदमाशों ने कैश, मोबाइल लूटे थे। पूर्वी SP शैलजा ने आज बताया कि 6 घंटे में दोनों बदमाश गिरफ्तार हुए हैं। उनके पास से लूट के मोबाइल और 1310 रुपए बरामद हुए हैं।

लूटपाट के बाद भाग रहे एक आरोपी राहुल कुमार उर्फ अंशु को सुल्तानगंज थाने की पुलिस ने पीछा कर के एक लोडेड देशी कट्टा के साथ पकड़ लिया। इसकी निशानदेही पर छापेमारी में आलमगंज के अमन कुमार को वैशाली धोबी पट्टी से गिरफ्तार किया है।

आपराधिक इतिहास खंगाल रही पुलिसः SP शैलजा ने बताया, दोनों आरोपियों के अपराधिक इतिहास खंगाले जा रहे। घटना के

बाद पीड़ित ने थाने पर पहुंचकर पूरी बात बताई थी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश में है कि देसी कट्टा इनके पास कहां से आया था। कितने में खरीदा गया था। सुल्तानगंज थानेदार समेत SI अखिलेश और SI मनीष छापेमारी में शामिल थे। इनके पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, स्मार्ट मोबाइल फोन 1, कैश 1310 रुपए बरामद किए गए हैं। दोनों बदमाशों ने पीड़ित से मारपीट भी की थी।

बिल्डर भूषण सिंह गिरफ्तार, कई लोगों से रुपए लिए, जमीन नहीं दिए, 5 करोड़ से अधिक की ठगी के आरोप

एजेंसी, पटना

पटना में ग्रीन हाउसिंग सोसाइटी के नाम से कारोबार करने वाले बिल्डर भूषण सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, भूषण सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी से जुड़े 5 केस श्री कृष्णापुरी थाने में रजिस्टर्ड है। लंबे समय से नोटिस दिए जाने के बावजूद वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा था, जिसके बाद अदालत से जारी वारंट के आधार पर उसकी गिरफ्तारी की गई।

जमीन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी का आरोपः श्रीकृष्णापुरी थाना प्रभारी जितेंद्र राणा ने बताया, 'भूषण सिंह प्रॉपर्टी खरीद-बिक्री के कारोबार से जुड़ा है। आरोप है कि उसने कई लोगों से जमीन दिलाने के नाम पर रुपये लिए, लेकिन न तो जमीन उपलब्ध

कराई और न ही पैसे लौटाए। पुलिस के मुताबिक, अलग-अलग पीड़ितों की शिकायत पर श्रीकृष्णापुरी थाने में कुल पांच मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में करीब 5 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है।

26.90 लाख लिए, ना रुपए लौटाए, ना जमीन दी- उदयंत कुमारः उदयंत कुमार नाम के व्यक्ति ने बताया कि उनसे भूषण सिंह ने जमीन देने के नाम पर 26.90 लाख रुपए लिए थे। पिछले 4 साल से ना रुपए दे रहे थे और ना जमीन। इसे लेकर उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

कोर्ट के वारंट पर हुई कार्रवाईः इसी मामले में कोर्ट से वारंट निर्गत था। इसी में गिरफ्तारी हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को कई बार नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था, लेकिन वह लगातार अनुपस्थित रहा। इसके बाद अदालत से गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद थाने पहुंचे समर्थक और वकीलः भूषण सिंह की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही उसके समर्थक और वकील श्रीकृष्णापुरी थाने पहुंच गए। देर रात तक उसे छुड़ाने की कोशिश होती रही, लेकिन पुलिस ने किसी भी दबाव में कार्रवाई नहीं रोकी। बाद में सभी लोग वापस लौट गए। भूषण सिंह के पक्ष के लोगों का कहना है कि उन्हें नोटिस रिसीव नहीं कराया गया था और सीधे बुलाकर गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं पुलिस का दावा है कि आरोपी को कई बार नोटिस भेजे गए, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया और न ही जांच में सहयोग किया।

मुजफ्फरपुर तक फैला है कारोबारः पुलिस के मुताबिक, भूषण सिंह ने अपना कारोबार मुजफ्फरपुर तक भी फैला रखा है, जहां उसने शोरूम समेत अन्य व्यावसायिक गतिविधियां शुरू की हैं। पुलिस अब आरोपी को अदालत में पेश करेगी और जरूरत पड़ने पर अन्य मामलों में पूछताछ के लिए रिमांड की मांग भी कर सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही अन्य शिकायतों और संभावित पीड़ितों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

गोलीबारी कर भाग रहे हमलावरों को ग्रामीणों ने पकड़कर पीटा, एक की मौत और दूसरा घायल, तीसरा आरोपी फरार

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार रात जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने दो हमलावरों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल एक आरोपी को इलाज के लिए PMCH लाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा आरोपी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस फरार तीसरे आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। यह घटना गौरीचक थाना क्षेत्र के लक्ष्मीचक गांव की बताई जा रही है।

भाग रहे दो हमलावरों को ग्रामीणों ने पकड़ लियाः पुलिस के मुताबिक, अपराधियों ने लक्ष्मीचक निवासी सुरेश सिंह उर्फ मास्टर को निशाना बनाकर कई राउंड फायरिंग की। हालांकि, सुरेश सिंह इस हमले में बाल-बाल बच गए। गोलीबारी के बाद तीनों आरोपी भागने लगे। ग्रामीणों ने पीछा कर दो आरोपियों को दबोच लिया और उनकी पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही गौरीचक और परसा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को भीड़ से निकालकर अस्पताल भेजा।

एक की मौत, दूसरे का इलाज जारीः पकड़े गए आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय विवेक कुमार और 28 वर्षीय सूरज कुमार के रूप में हुई। दोनों को PMCH में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सूरज कुमार की मौत हो गई। वहीं, दूसरे आरोपी विवेक कुमार का इलाज जारी है।

तीसरा आरोपी फरार, पुलिस कर रही तलाशः पटना सिटी सदर-2 के एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया, 'सूचना मिलने के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि हमलावर परसा बाजार थाना क्षेत्र के धमौल गांव की ओर भागे हैं। पुलिस वहां पहुंची तो

जमीन विवाद में किया था हमला

ग्रामीणों ने दो आरोपियों को पकड़ रखा था, जबकि तीसरा आरोपी फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।'

घटनास्थल से कारतूस, चोरी की बाइक बरामदः पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी में दो जिंदा कारतूस, एक खोखा और एक बाइक बरामद की है। जांच में सामने आया कि बरामद बाइक फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए FSL टीम ने मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास के CCTV कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

जमीन विवाद की आशंका, इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षाः प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे जमीन विवाद की बात सामने आई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। वारदात के बाद लक्ष्मीचक और आसपास के इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मुंबई से भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर का टेक्निकल असिस्टेंट गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❐ परीक्षा से पहले ही महिला कैंडिडेट को दी थी आंसर की

भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर (BARC) के टेक्निकल असिस्टेंट रौशन कुमार को बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। अप्रैल में BPSC से सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) एग्जाम लिए गए थे, जिसमें धांधली की बात सामने आई थी, इसी आरोप में रौशन को गिरफ्तार किया गया है। उसे मुंबई के कोर्ट में पेश किया गया है। वहीं, बुधवार रात तक मुंबई से पटना पहुंचने की संभावना है। रौशन मूल रूप से नालंदा के नूरसराय थाना स्थित ककरिया गांव का रहने वाला है। इसके पिता का नाम मिथिलेश यादव है। पिछले साल 2025 में ही रौशन की नौकरी मुंबई स्थित भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर में लगी थी। टेक्निकल असिस्टेंट पद के लिए उसकी ट्रेनिंग चल रही थी। सूत्रों के अनुसार, AEDO परीक्षा में धांधली की जांच EOU की टीम कर रही थी। जांच में ही रौशन के खिलाफ बड़ी लीड मिली। इसके बाद एक ASP की अगुवाई में तीन लोगों की स्पेशल टीम बनाई गई। 3 अगस्त को टीम पटना से फ्लाइट से मुंबई पहुंची। वहां से ट्रॉम्बे गई। इसी लोकेशन में भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर है, यहीं से रौशन को पकड़ा।

केंद्रीय मंत्री का फर्जी पीए गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के नाम का दुरुपयोग कर जेल आईजी से पैरवी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने अरवल जिले के मेहंदिया निवासी नीरज को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर केंद्रीय मंत्री का पर्सनल सेक्रेटरी (PA) बनकर जेल आईजी को फोन करने और एक बंदी को दूसरी जेल से स्थानांतरित कराने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। आरोपी के खिलाफ सचिवालय थाना में FIR दर्ज किया गया है, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए इसे गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी नीरज मेडिकल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। उसने कुछ दिन पहले जेल आईजी को फोन कर खुद को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का PA बताया। इसके बाद उसने एक बंदी की पैरवी करते हुए जेल आईजी से बोला- 'मैं ललन बाबू का PA बोल रहा हूं। एक फलां नाम का कैदी आपके जेल में बंद है। उसे दूसरी जगह शिफ्ट कर दीजिए।' आरोप है कि बातचीत के दौरान

उसने मंत्री के नाम का हवाला देकर जेल प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश की।

रिश्तेदार की पैरवी के लिए किया था कॉलः गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि, मेरे रिश्तेदार भरत सिंह बेऊर में थे। जमीन संबंधी विवाद में पकड़े गए थे। उन्हें 6 महीने पहले भागलपुर शिफ्ट कर दिया गया था। उन्हें वापस बेऊर जेल बुलाने के लिए जेल आईजी को कॉल किया था। पूछताछ के दौरान नीरज ने दावा किया कि वर्ष 2024 में वह करीब एक-दो महीने तक केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ भी जुड़ा रहा। हालांकि, पुलिस उसके इस दावे की भी जांच कर रही है।

इस मामले में पटना सेंट्रल एसपी ममता कल्याणी और भी खुलासा कर सकती हैं।

राणाबीघा पीएचसी में लापरवाही, 10 दिनों में ही खुली पोल दवाएं स्कूल में बंद, डॉक्टरों पर देर से आने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के राणाबीघा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में नई इमारत के उद्घाटन किया गया। इसके महज 10 दिन बाद ही स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली सामने आई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल में डॉक्टर और कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते। बड़ी मात्रा में सरकारी दवाएं लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी हैं और इमरजेंसी सेवा भी अब तक शुरू नहीं हो सकी है। हाल ही में 6 बेड वाले नए PHC भवन का उद्घाटन स्थानीय विधायक और SDO ने किया था। उद्घाटन के दौरान इसे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब ग्रामीणों का कहना है कि नई इमारत बनने के बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है।

डॉक्टरों के देर से आने का आरोपः ग्रामीणों के मुताबिक, पीएचसी के डॉक्टर और कर्मचारी सुबह समय पर नहीं पहुंचते। उनका आरोप है कि अधिकांश कर्मचारी करीब 11 बजे अस्पताल आते हैं और दोपहर 2 से 3 बजे के बीच लौट जाते हैं। इससे ओपीडी सेवाएं प्रभावित होती हैं और मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि सर्दी, खांसी और बुखार जैसी सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए भी मरीजों को अनुमंडलीय

❐ सिविल सर्जन बोले-जांच कराएंगे

अस्पताल या निजी क्लीनिक का सहारा लेना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने दवाओं के रखरखाव को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पीएचसी परिसर से सटे दो कमरों में दवाएं अव्यवस्थित ढंग से रखी गई हैं। तापमान नियंत्रित वातावरण में रखने वाली दवाएं भी खुले में रखी हैं, जिससे उनके खराब होने का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा, पीएचसी के बगल स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय के एक कमरे में डेढ़ वर्ष से अधिक समय से बड़ी मात्रा में सरकारी दवाएं बंद पड़ी होने का दावा किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उस कमरे का ताला शायद ही कभी खोला जाता है, जिससे दवाओं के एक्सपायर होने की आशंका बढ़ गई है।

उपस्वास्थ्य केंद्र पर भी लापरवाही का आरोपः ग्रामीणों का आरोप है कि राणाबीघा पीएचसी के अधीन आने वाले नदावां गांव के प्राथमिक उपस्वास्थ्य केंद्र में भी नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। उनका कहना है कि वहां एएनएम प्रतिदिन नहीं आती हैं और केंद्र केवल रजिस्टर पर संचालित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, वहां तीन कार्टन एक्सपायर दवाएं रखी हुई हैं, जबकि जरूरत की दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इससे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले पीएचसी के पास सरकारी दवाओं को जलाने का मामला भी सामने आया था, जिसकी खबरें प्रकाशित हुई थीं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

संक्षिप्त समाचार

नीलामी बकायेदारों पर जिला प्रशासन का बड़ा एक्शन

1.64 करोड़ रुपये तक के सरकारी बकायेदारों पर गिरफ्तारी वारंट, कई राइस मिल संचालकों समेत अन्य देनदारों पर कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी। सरकारी बकाया राशि की वसूली को लेकर जिला प्रशासन ने नीलाम पत्रवाद के तहत बड़े बकायेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सक्षम प्राधिकारी के आदेश पर करोड़ों रुपये के सरकारी बकायेदारों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर संबंधित थाना क्षेत्रों को उसके तामील का निर्देश दिया गया है। जारी वारंट के अनुसार जय मां दुर्गा राइस मिल, अहिरौलिया (रामगढ़वा) पर 1.64 करोड़ रुपये, जयकिशुन तिवारी, ग्राम अरेराज (गोविंदगंज) पर 1.51 करोड़ रुपये, मनु ट्रेडर्स एंड राइस मिल पर 1.20 करोड़ रुपये तथा शिव शक्ति राइस मिल, शीतलपुर पर 1.03 करोड़ रुपये की सरकारी देनदारी बकाया है। इन सभी को बड़े बकायेदारों की श्रेणी में रखते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त आर्य नंदिनी राइस मिल पर 57.67 लाख रुपये, कुंवर रविंद्र प्रताप सिंह, कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, अरेराज पर 54.47 लाख रुपये, विवेक राइस मिल के प्रोपराइटर मोती शाह (रघुनाथपुर, रामगढ़वा) पर 12.57 लाख रुपये तथा अन्नपूर्णा राइस मिल के प्रोपराइटर लाल प्रताप सिंह (रामगढ़वा) पर 4.17 लाख रुपये की सरकारी देनदारी बकाया है। इनके विरुद्ध भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर संबंधित थानों को तामील के लिए भेज दिया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी बकाया राशि की वसूली के लिए नीलाम पत्रवाद के तहत अभियान आगे भी जारी रहेगा। बड़े बकायेदारों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा सरकारी राजस्व की वसूली हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी।

उर्वरक की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन सख्त, डीएम ने औचक जांच के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। जिले में उर्वरक (खाद) की कालाबाजारी, जमाखोरी और निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों (एसडीओ) एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों को हर हाल में सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। यदि किसी भी स्तर पर कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने बताया कि जिला कृषि कार्यालय द्वारा जिले में उर्वरकों का समानुपातिक आवंटन कर दिया गया है तथा जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। ऐसे में किसानों को किसी प्रकार की कमी की आशंका नहीं है। उन्होंने किसानों से अपील की कि उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से परेशान न हों। यदि कहीं अधिक कीमत वसूली या कालाबाजारी की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उर्वरकों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि सभी किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो सके।

रामगढ़वा अंचल कार्यालय में छह नए राजस्व कर्मियों की तैनाती

बीएनएम@ रामगढ़वा। अंचल कार्यालय रामगढ़वा में राजस्व कार्यों को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से छह राजस्व कर्मचारियों का नया पदस्थापन किया गया है। अंचल प्रशासन द्वारा सभी कर्मियों को अलग-अलग हल्का एवं पंचायतों का प्रभार सौंपते हुए शीघ्र योगदान देकर निर्धारित क्षेत्रों में कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है। अंचल कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार सभी संबंधित राजस्व कर्मचारियों को आवंटित पंचायतों का प्रभार लेकर समयबद्ध तरीके से राजस्व संबंधी कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करना होगा। पवन कुमार को चम्पापुर एवं रामगढ़वा हल्का का प्रभार दिया गया है। कृष्ण महतो को पखनहिया, जैतापुर तथा धनहर दिहुली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ओम कुमार को मंगलपुर पटनी, शिवनगर और बैरिया हल्का आवंटित किया गया है। सत्येन्द्र कुमार को रघुनाथपुर, सकरार एवं आमोदेई का प्रभार मिला है। नवीन कुमार शर्मा को अधकपरिया और अहिरौलिया हल्का सौंपा गया है, जबकि असलम हुसैन को सिंघासनी, बेला तथा मुरला पंचायतों की जिम्मेदारी दी गई है। अंचल प्रशासन ने बताया कि सभी नवपदस्थापित राजस्व कर्मी शीघ्र अपने-अपने हल्कों में योगदान देकर दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जमाबंदी, भूमि विवाद सहित अन्य राजस्व संबंधी मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। इससे आम लोगों को राजस्व सेवाओं का लाभ अधिक सुगमता और पारदर्शिता के साथ मिल सकेगा।

नेपाल से गांजा लेकर आ रहा तस्कर रक्सौल में गिरफ्तार, 2.310 किलो मादक पदार्थ बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। सीमावर्ती क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पूर्वी चंपारण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाल से गांजा लेकर आ रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2.310 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त 2026 की रात गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अपने शरीर में मादक पदार्थ छिपाकर नेपाल से रक्सौल रेलवे ढाला की ओर आने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद रक्सौल थाना पुलिस ने रेलवे ढाला के समीप घेराबंदी कर सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान पुलिस ने राजेश्वर महतो, पिता कपिलदेव महतो, निवासी विशुनपुरवा, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2.310 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस संबंध में रक्सौल थाना कांड संख्या-379/26 दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क की भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई रक्सौल थानाध्यक्ष पंकज कुमार महतो के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने की। पुलिस ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है और तस्करों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर थाना पुलिस की तत्परता से तीन गुमशुदा बालक सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू

बीएनएम@ मोतिहारी। नगर थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन गुमशुदा बालकों को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने तीनों बच्चों को बापूधाम रेलवे स्टेशन, मोतिहारी से सुरक्षित बरामद किया। पुलिस के अनुसार, नगर थाना कांड संख्या-704/26 दर्ज होने के बाद बच्चों की तलाश के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी और खोजबीन की गई, जिसके परिणामस्वरूप तीनों गुमशुदा बालकों को बापूधाम रेलवे स्टेशन से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि बरामद बच्चों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जा रही है। मामले में आगे की जांच एवं अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई भी जारी है। नगर थाना पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से तीनों बच्चों की सुरक्षित बरामदगी संभव हो सकी। बच्चों के सकुशल मिलने की सूचना के बाद उनके परिजनों ने राहत की सांस ली तथा पुलिस की कार्रवाई की सराहना की।

युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने सीखे जीवनरक्षक कौशल

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर स्थित मुंशी सिंह महाविद्यालय में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय आवासीय 'युवा आपदा मित्र' प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन बुधवार को एसडीआरएफ (बिहार) के प्रशिक्षकों ने 250 स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार तथा राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। 03 से 09 अगस्त तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में पूर्वी चम्पारण जिले के स्वयंसेवकों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, जीवनरक्षक तकनीकों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के गुर सिखाए जा रहे हैं। एसडीआरएफ के टीम लीडर रविकांत कुमार के नेतृत्व में प्रशिक्षकों ने विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के उपायों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर ढंग से कार्य कर सकें। शिविर में स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ सभी प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया। अभ्यास सत्रों के माध्यम से उन्हें आपदा की वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव कराया गया, जिससे उनकी त्वरित निर्णय क्षमता और बचाव कौशल को मजबूत किया जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ ने कहा कि आपदा के समय प्रशिक्षित युवा समाज के लिए बड़ी ताकत साबित होते हैं और ऐसे प्रशिक्षण युवाओं में सेवा, नेतृत्व तथा जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। वहीं, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी एवं शिविर समन्वयक डॉ. गौरव भारती ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक कौशल में दक्ष बनाना है, ताकि संकट की घड़ी में वे प्रशासन के सहयोगी बनकर समाज की प्रभावी सहायता कर सकें।

वृक्षा स्थान मंदिर ध्वस्तीकरण में नगर निगम की जेसीबी इस्तेमाल पर महापौर प्रीति कुमारी ने मांगी निष्पक्ष जांच

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के वृक्षा स्थान मंदिर ध्वस्तीकरण के दौरान नगर निगम की अर्थ मूवर (जेसीबी) मशीन के इस्तेमाल की सूचना को गंभीरता से लेते हुए महापौर प्रीति कुमारी ने नगर आयुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी कर्मी या पदाधिकारी की भूमिका नियमों के विरुद्ध पाई जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। महापौर ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि नगर निगम की जेसीबी किसके निर्देश पर घटनास्थल पर भेजी गई, इसके उपयोग की अनुमति किस पदाधिकारी या कर्मी ने दी तथा वाहन भेजने से पहले सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति ली गई थी या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी संसाधनों का उपयोग केवल निर्धारित नियमों और विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में यह साबित होता है कि बिना सक्षम अनुमति के नगर निगम की जेसीबी का इस्तेमाल मंदिर ध्वस्तीकरण में किया गया, तो संबंधित कर्मी और पदाधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने नगर आयुक्त से जांच पूरी होने के बाद की गई कार्रवाई से उन्हें भी अवगत कराने का आग्रह किया। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होना आवश्यक है।

भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त गश्ती, सुरक्षा समन्वय हुआ और मजबूत

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों ने संयुक्त गश्ती अभियान चलाया। अभियान का संचालन 71वीं वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में तथा उपनिरीक्षक तिलक राज के नेतृत्व में बाह्य सीमा चौकी विंध्यवासिनी क्षेत्र में किया गया। संयुक्त गश्ती से पूर्व दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारियों के बीच समन्वय बैठक भी हुई। इसके बाद जवानों ने सीमा क्षेत्र की पगडंडियों, सड़कों और अन्य संवेदनशील मार्गों पर संयुक्त रूप से गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पार्टी कमांडर उपनिरीक्षक तिलक राज ने बताया कि भारत और नेपाल के सुरक्षा बलों के बीच नियमित अंतराल पर संयुक्त गश्ती की जाती है। इसका उद्देश्य सीमा पर सतर्क निगरानी बनाए रखना, अवैध आवागमन, तस्करी और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। गश्ती के दौरान दोनों देशों के जवानों ने सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया। साथ ही सीमा पार अपराधों की रोकथाम, सीमा रेखा पर अतिक्रमण, सीमा के समीप संचालित मदिरा दुकानों की जानकारी समेत विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे संयुक्त अभियान से दोनों देशों के बीच समन्वय और सीमा प्रबंधन को और मजबूती मिलेगी।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन का जनजागरूकता अभियान, 9 अगस्त के जन कन्वेंशन में शामिल होने की अपील

बीएनएम@ मोतिहारी

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ECREU) ने बुधवार को रक्सौल रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे कर्मचारियों के बीच जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान 9 अगस्त को समस्तीपुर में आयोजित होने वाले विशाल जन कन्वेंशन में अधिक से अधिक रेलकर्मियों से भाग लेने की अपील की गई। यूनियन के केंद्रीय संयुक्त महासचिव रत्नेश वर्मा ने कहा कि नई श्रम संहिता, निजीकरण, NPS/UPS, बोनस सीलिंग और कर्मचारियों से जुड़े अन्य मुद्दों के विरोध में यह कन्वेंशन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने, रेलवे में रिक्त पदों पर बहाली, आठ घंटे की ड्यूटी व्यवस्था लागू करने, आउटसोर्सिंग पर रोक तथा रेलकर्मियों की सुरक्षा और सुविधाओं में सुधार की मांग उठाई। अभियान में कर्मचारियों ने रेलवे अस्पताल, स्टाफ विश्रामालय, पेयजल, शौचालय, ओवरब्रिज तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग भी रखी। इस दौरान यूनियन नेताओं ने सरकार की श्रमिक नीतियों का विरोध करते हुए कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अंगद कुमार, सोनू कुमार, महेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, प्रमोद कुमार, अभिनीत आनंद, कृष्णा मंडल, जितेंद्र कुमार, अजय कुमार यादव, नितेश कुमार, गोपाल कुमार, बरुण कुमार, सीटू कुमार सहित कई रेलकर्मी उपस्थित रहे।

आर्म्स एक्ट मामले में दोषी को दो वर्ष की सजा, न्यायालय ने लगाया अर्थदंड

बीएनएम@ मोतिहारी

अवैध हथियार रखने के मामले में मोतिहारी व्यवहार न्यायालय ने एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए दो वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और आरोपपत्र (चार्जशीट) के आधार पर सुनाया गया। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गौरव सिंह की अदालत ने मुफस्सिल थाना कांड संख्या-240/24 (टीआर संख्या-3329/2025) के त्वरित विचारण के बाद अभियुक्त इन्द्रासन कुमार, पिता जगत प्रसाद, निवासी मधुबनी घाट मठिया, थाना मुफस्सिल, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी करार दिया। न्यायालय ने आरोपी को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए) के तहत दो वर्ष के सश्रम कारावास तथा 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इसके अलावा आरोपी को आर्म्स एक्ट की धारा 26 के तहत छह माह के सश्रम कारावास एवं 1,000 रुपये अर्थदंड की भी सजा दी गई। न्यायालय ने दोनों धाराओं के तहत दोषसिद्धि के आधार पर निर्णय पारित किया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी की गई। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं चार्जशीट के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। इस मुकदमे में अभियोजन पदाधिकारी अभिजीत वत्स एवं शिवानी पाठक की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही।

पूर्वी चंपारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 54 किलो गांजा के साथ कार जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 54 किलोग्राम गांजा जैसे मादक पदार्थ के साथ एक कार जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई चकिया अनुमंडल क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त 2026 की रात सूचना मिली थी कि कुड़ियाचैनपुर-भगवानपुर मार्ग से एक कार में गांजा लेकर तस्कर चकिया की ओर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर बखरी खुर्द सैनिक रोड पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 54 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। मौके से कमलेश कुमार (पिता-शिवशंकर दास), निवासी गंगा सिसरिया, थाना चकिया, तथा संजय कुमार तिवारी (पिता-स्व. जगदीश तिवारी), निवासी देवरिया, जिला मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी दौरान फरार होने का प्रयास कर रहे विनोद मुरारी, निवासी सतघरवा, थाना कुड़ियाचैनपुर, जिला पूर्वी चंपारण को भी पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, विनोद मुरारी पहले से आर्म्स एक्ट के एक मामले में भी आरोपी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक कार, तीन मोबाइल फोन और 10,800 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूर्वी चंपारण पुलिस ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के 11 विद्यार्थी सहायक प्राध्यापक पद के लिए चयनित

बीएनएम@ मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के 11 विद्यार्थियों का चयन बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC), पटना द्वारा सहायक प्राध्यापक पद के लिए किया गया है। यह सफलता विभाग की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध-उन्मुख वातावरण का प्रमाण मानी जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों में अहमद अली अख्तर, अमित विक्रम, डॉ. अशोक कुमार चौधरी, डॉ. लोकेश कुमार पांडेय, नवनीत कुमार, राज कुमार, राजू कुमार, रंजीत कुमार, ऋषभ रंजन, समीक्षा राज तथा संदीप कुमार शामिल हैं। इनमें कई अभ्यर्थी यूजीसी-नेट उत्तीर्ण हैं, कुछ जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) हैं, जबकि कई शोधरत अथवा पीएच.डी. उपाधिधारी हैं। इससे विभाग की मजबूत शैक्षणिक एवं शोध संस्कृति का परिचय मिलता है। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध-उन्मुख वातावरण तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि चयनित विद्यार्थी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर विश्वविद्यालय का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुजीत कुमार चौधरी ने भी सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विभाग विद्यार्थियों में अकादमिक उत्कृष्टता, शोध-दृष्टि, आलोचनात्मक चिंतन और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन, कड़ी मेहनत और विद्यार्थियों की लगन का प्रतिफल है। विश्वविद्यालय परिवार ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सहयोग पोर्टल शिविर में उमड़ी भीड़, सैकड़ों लोगों ने कराया आवेदन अपलोड

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम क्षेत्र में सरकार के निर्देशानुसार आयोजित सहयोग पोर्टल शिविर में बुधवार को सैकड़ों नागरिकों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन ऑनलाइन अपलोड कराकर रिसीविंग प्राप्त की। इस दौरान लोगों ने शिविर व्यवस्था पर संतोष जताते हुए इसकी सराहना की। नगर निगम की ओर से वार्ड संख्या 27, 28 एवं 29 के लिए रघुनाथपुर गंडक कॉलोनी परिसर स्थित हनुमान मंदिर तथा वार्ड संख्या 39 एवं 40 के लिए राजकीय मध्य विद्यालय, छोटा बरियारपुर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं से जुड़े आवेदनों को सहयोग पोर्टल पर अपलोड कर त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया शुरू की गई। नगर आयुक्त आशीष कुमार ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार नगर निगम क्षेत्र में प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को रोस्टर के अनुसार शिविर आयोजित किया जाता है। इस बार मंगलवार को अवकाश रहने के कारण शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से नागरिकों की विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविर में वार्ड पार्षद रेणु ठाकुर, जयलाल सहनी, मुकुल वर्मा, हरि सिंह तथा विजय चौधरी ने उपस्थित रहकर नागरिकों के आवेदन पोर्टल पर अपलोड कराने में सहयोग किया। नगर निगम कार्यालय से नगर प्रबंधक नागमणि सिंह, सहायक नगर योजना पर्यवेक्षक अमर प्रेम चौरसिया, स्वच्छता पदाधिकारी प्रशांत कुमार चौधरी, सरोज कुमार, कर दारोगा अरुण मिश्रा, सहायक प्रफुल चंद्र, भरत राम, भवेश कुमार वर्मा, विधि सहायक अवधेश कुमार ठाकुर, कर संग्राहक रवि रंजन कुमार, अनुप कुमार, राशेक कुमार सिन्हा, कार्यपालक सहायक रोहन कुमार एवं अनुपम कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर रवि रंजन, गौरव कुमार, दीपेंद्र कुमार, हिमांशु कुमार और अशोक कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग तथा रघुनाथपुर ओपी के पुलिस पदाधिकारी अंबिका प्रसाद यादव के सहयोग से शिविर का सफल संचालन किया गया।

हत्या के प्रयास के आरोपित समेत 12 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने अपराधियों और वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में वारंटी के साथ हत्या के प्रयास के मामलों में नामजद अभियुक्त भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, फेनहारा थाना क्षेत्र से एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। वहीं पलनवा थाना कांड संख्या-158/26 एवं 159/26 में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच अभियुक्तों को दबोच लिया गया। इसके अतिरिक्त पिपरा थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे छह वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आगे की न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में नियमित छापेमारी और सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पूर्वी चंपारण पुलिस ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

तुरकौलिया में एफएलएन प्रशिक्षण शिविर आयोजित, शिक्षकों ने सीखी आधुनिक शिक्षण तकनीक

बीएनएम@ तुरकौलिया, पूर्वी चंपारण। बच्चों में प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की मजबूत नींव रखने के उद्देश्य से उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जयसिंहपुर मौजे में एक दिवसीय गैर-आवासीय एफएलएन (मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने की आधुनिक एवं प्रभावी शिक्षण विधियों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के दौरान बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रखंड सचिव सह मीडिया प्रभारी उमेश पंडित ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान बच्चों के समग्र मानसिक एवं शैक्षणिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी शिक्षकों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे सरकारी विद्यालयों के बच्चों के सीखने के स्तर (लर्निंग आउटकम) में उल्लेखनीय सुधार होगा। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) के प्रभावी उपयोग, बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति तथा गतिविधि आधारित शिक्षा पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कहा कि ऐसे गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाते हैं। इस अवसर पर ट्रेनर विनोद पाल, सुजीत कुमार, कोऑर्डिनेटर नवीन पांडेय सहित विकास कुमार, रिंकू कुमारी, नंदू राम, मधु कुमारी, प्रणव कुमार, चंदेश्वर सहनी, जितेंद्र कुमार, पुष्पा कुमारी, सीमा कुमारी, रमाकांत कुमारी, गुलाब कली एवं विनीता कुमारी समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अष्टधातु की मूर्तियां व मुकुट चोरी मामले का दूसरा फरार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के लखौरा थाना पुलिस ने मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियां एवं मुकुट चोरी के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, लखौरा थाना कांड संख्या-190/26 में दर्ज मामले के तहत भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की अष्टधातु की मूर्तियों तथा मंदिर से भगवान के मुकुट की चोरी की गई थी। इस मामले में फरार चल रहे आरोपी रोशन कुमार सिंह, पिता स्वर्गीय गौरव सिंह, निवासी गणेश टोला, थाना लखौरा, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस कांड में इससे पहले भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। दूसरे फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले के खुलासे में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अब चोरी गई अन्य सामग्री की बरामदगी तथा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पूर्ण उद्भेदन किया जाएगा।

बाइक चोरी कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही। पताही थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रंजय कुमार, पिता ललन साह, निवासी पड़ुमकेर, थाना पताही, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पताही थाना कांड संख्या-242/23 में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में लंबे समय से फरार था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि जिले में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

लौकरिया में बुजुर्ग का संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने से सनसनी

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला के लौकरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव रामपुर पंचायत के रामपुर गांव में 63 वर्षीय अशोक साहनी का शव बुधवार को उनके घर में संदिग्ध परिस्थिति में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार अशोक साहनी का मंगलवार शाम गांव के ही कुछ लोगों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। परिजनों का आरोप है कि विवाद के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। बुधवार सुबह जब काफी देर तक वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकले तो परिवार के लोग उन्हें देखने पहुंचे। कमरे में जाकर देखा तो वह बेड पर मृत अवस्था में पड़े थे। परिजनों के अनुसार उनके मुंह, नाक और कान से खून निकल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही लौकरिया थाना अध्यक्ष रमन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के बड़े पुत्र सोनू साहनी ने पुलिस को बताया कि जिन लोगों से उनके पिता का विवाद हुआ था, उन्हीं पर हत्या करने का संदेह है। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग की है। मृतक के परिवार में दो पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। बड़ा पुत्र सोनू साहनी गांव में दुकान चलाता है, जबकि छोटा पुत्र राहुल साहनी बाहर रहकर मजदूरी करता है। लौकरिया थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा सुदृढ़ करने पर जोर, अरेराज में शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

बीएनएम@ अरेराज

बिहार शिक्षा परियोजना एवं समग्र शिक्षा अभियान के तत्वावधान में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, निपुण भारत मिशन तथा एससीईआरटी, बिहार की पहल के अनुरूप कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को संकुल संसाधन केंद्र, उच्च माध्यमिक विद्यालय झाखरा में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में चिन्हित नोडल शिक्षकों एवं मेंटरों ने भाग लेकर विद्यार्थियों के सीखने के स्तर के अनुरूप शिक्षण की नई पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर सह संकुल समन्वयक संतोष कुमार तिवारी, संकुल प्रबंधक राजकुमार पासवान तथा प्रधानाध्यापिका वीणा देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संकुल प्रबंधक राजकुमार पासवान ने कहा कि विभिन्न अधिगम आकलनों से यह स्पष्ट हुआ है कि कक्षा 7 एवं 8 तक के अनेक विद्यार्थियों में भाषा और गणित की आधारभूत दक्षताओं में अभी भी अपेक्षित सुधार की आवश्यकता है। इसी कारण बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान अभियान का विस्तार अब कक्षा 4 से 8 तक किया गया है, ताकि प्रत्येक बच्चे को उसके सीखने के स्तर के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। मुख्य प्रशिक्षक संतोष कुमार तिवारी ने प्रतिभागियों को विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का प्रारंभिक आकलन, स्तरवार समूह निर्माण, भाषा एवं गणित की गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति, शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग, 90 मिनट की विशेष कक्षा संचालन, मेंटर की भूमिका तथा विद्यालय स्तर की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 6 से 8 अगस्त 2026 तक सभी विद्यालयों में कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों का प्रारंभिक आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर विद्यार्थियों को उनके सीखने के स्तर के अनुसार समूहों में विभाजित कर शिक्षण कार्य संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों से आह्वान किया गया कि वे यहां प्राप्त ज्ञान और अनुभव का उपयोग अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी ढंग से करें, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता में अपेक्षित सुधार लाया जा सके और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त हो। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने "हर बच्चा पढ़े, समझे और आगे बढ़े" के संकल्प को दोहराते हुए यह प्रण लिया कि कोई भी बच्चा पढ़ने, लिखने और गणना जैसी बुनियादी दक्षताओं से वंचित न रहे। इस अवसर पर सुबोध कुमार तिवारी, वीणा देवी, अनुराधा कुमारी, प्रदीप कुमार, शारदा कुमारी, श्रीलाल साह, मुन्ना कुमार जायसवाल, कुमारी ऋतम्भरा, रमाशंकर पंडित, हितेश उपाध्याय, सुमित कुमार, उपेंद्र कुमार साहनी, दीपक रंजन, तबरेज़ आलम, काजल कुमारी, मुकेश कुमार वर्मा, अनुराग कुमार, मुन्नू कुमार तथा अजय प्रसाद सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षा कर्मी उपस्थित रहे।

नेपाल बनाम लोकल पहलवानों के मुकाबले ने बांधा समां, नरीरगीर के अखाड़े से भाईचारे का संदेश

बीएनएम@ रामगढ़वा

चेहल्लुम के अवसर पर प्रखंड के नरीरगीर गांव में मंगलवार को आयोजित पारंपरिक कुश्ती दंगल में नेपाल और स्थानीय पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में पहलवानों ने अपने दमदार दांव-पेंच और बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। समाजसेवी अरशद अली मुन्ना के नेतृत्व में आयोजित इस दंगल में नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नामी पहलवानों ने स्थानीय पहलवानों को कड़ी टक्कर दी। अखाड़े में एक से बढ़कर एक दांव-पेंच देखने को मिले, जिन पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुहम्मद सफीउल्लाह, मुखिया नसीबुल हक, मुखिया पति शम्सु जोहा अंसारी, मुहम्मद नुरैन सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया तथा उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे पारंपरिक खेल आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। साथ ही ग्रामीण खेल संस्कृति और प्रतिभाशाली पहलवानों को मंच प्रदान करने में इन आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को पुरस्कार एवं सम्मान देकर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। आयोजन शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

रामगढ़वा को मिली बड़ी सौगात, खरखटवा चौक पर शुरू हुआ 'रिद्धि सिद्धि इमरजेंसी हॉस्पिटल'

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंडवासियों के लिए राहत भरी खबर है। अब गंभीर बीमारी या आपात स्थिति में इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। धनहर दिहुली पंचायत के खरखटवा चौक पर बुधवार को 'रिद्धि सिद्धि इमरजेंसी हॉस्पिटल' का शुभारंभ किया गया। अस्पताल का उद्घाटन प्रमुख पति विशाल गुप्ता, उप प्रमुख अरविंद पांडे तथा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने अस्पताल की ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अस्पताल के संचालक डॉ. अमरेंद्र कुमार और डॉ. खालिश नूर ने बताया कि अस्पताल की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कम खर्च में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सामान्य एवं गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के साथ अनुभवी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था की गई है, ताकि मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही त्वरित और बेहतर इलाज मिल सके। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां 24 घंटे इमरजेंसी सेवा, ओपीडी तथा आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे आसपास के गांवों के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उद्घाटन समारोह में सिपाही महतो, नितेश उपाध्याय, शशिकांत, विनोद पंडित, राकेश पांडे सहित क्षेत्र के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने ग्रामीण क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा की शुरुआत को सराहनीय पहल बताते हुए अस्पताल प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं।

मानव तस्करी का प्रयास विफल, नेपाल का आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग सुरक्षित बरामद

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने मानव तस्करी के एक प्रयास को विफल करते हुए एक भारतीय नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद किया है। इस दौरान नेपाल निवासी एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चम्पारण एवं स्वच्छ रक्सौल संस्था के प्रतिनिधियों ने भी सहयोग किया। एसएसबी की टीम ने मैत्री ब्रिज के समीप नियमित जांच एवं निगरानी के दौरान एक युवक और उसके साथ मौजूद लगभग 16 वर्षीय भारतीय नाबालिग लड़की को रोका। पूछताछ में युवक ने लड़की को अपना रिश्तेदार बताया, लेकिन गहन पूछताछ एवं काउंसलिंग के दौरान उसका दावा गलत पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेराज देवान (22 वर्ष), निवासी जिला रौतहट, नेपाल के रूप में हुई। वहीं, नाबालिग बिहार के सीतामढ़ी जिले की रहने वाली है। उसकी पहचान गोपनीय रखने के लिए नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने लगभग एक माह पूर्व फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से नाबालिग से संपर्क स्थापित किया। आरोप है कि उसने प्रेम संबंध और शादी का झांसा देकर उसका विश्वास जीता तथा निजी तस्वीरों और वीडियो का दुरुपयोग करते हुए उस पर मानसिक दबाव बनाया। इसके बाद वह उसे मुजफ्फरपुर बुलाकर नेपाल ले जाने का प्रयास कर रहा था। पूछताछ में यह भी पता चला कि नाबालिग अपने माता-पिता के साथ पंजाब के जालंधर में रहती थी, जहां उसके माता-पिता एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं। आरोपी के बहकावे में आकर वह घर से निकलकर मुजफ्फरपुर पहुंची, जहां से आरोपी उसे नेपाल ले जा रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी ने कथित तौर पर भारत का फर्जी आधार कार्ड बनवा रखा था। वहीं, नाबालिग के परिजनों से संपर्क करने पर जानकारी मिली कि वह 02 अगस्त 2026 से लापता थी और उसकी तलाश की जा रही थी। एसएसबी की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर और स्वच्छ रक्सौल संस्था की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई एवं प्रभावी काउंसलिंग के कारण नाबालिग को संभावित मानव तस्करी और शोषण का शिकार होने से सुरक्षित बचा लिया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपी और नाबालिग को हरैया थाना, रक्सौल के सुपुर्द कर दिया गया। इस संबंध में स्वच्छ रक्सौल संस्था के अध्यक्ष रणजीत सिंह के आवेदन पर कांड संख्या 111/26, दिनांक 04 अगस्त 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में एएचटीयू, 47वीं वाहिनी एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक खेमराज, हवलदार अरविंद द्विवेदी, महिला सिपाही साधना सिन्हा एवं महिला सिपाही श्रीदेवी, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर की आरती कुमारी, राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, किरण वर्मा तथा स्वच्छ रक्सौल संस्था की साबरा खातून शामिल रहीं।

15 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ तीन कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर विशुनपुर टाली टोला में छापेमारी कर अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। इस दौरान शराब कारोबार में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मंजू देवी (35 वर्ष), पति मदन साह, नयन ठाकुर (50 वर्ष), पिता स्व. रामप्रवेश ठाकुर तथा सरोज कुमार (23 वर्ष), पिता राम अयोध्या साह के रूप में हुई है। तीनों विशुनपुरा पैठान पट्टी, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी हैं। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर तीनों आरोपितों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष

सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि "क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। किसी भी कीमत पर अवैध शराब के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम लोगों से भी अपील है कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी दें, ताकि प्रभावी कार्रवाई की जा सके।"

श्रावणी मेला व अपराध नियंत्रण पर एसडीपीओ की सख्ती, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर जारी किए निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार की अध्यक्षता में अनुमंडलीय कार्यालय में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अरेराज, पहाड़पुर, गोविंदगंज और हरसिद्धि थानों के थानाध्यक्षों, सर्किल इंस्पेक्टरों तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में आयोजित होने वाले श्रावणी मेला और सोमवारी के अवसर पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में एसडीपीओ ने सभी थाना प्रभारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने, वारंटियों एवं फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने तथा नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने मादक पदार्थों एवं अवैध शराब की तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करने और थानों में आने वाले फरियादियों की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मेला क्षेत्र में वाहन पार्किंग पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। अवैध पार्किंग शुल्क वसूलने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर परिसर, पार्वती मंदिर, बस स्टैंड एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जबकि पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से होगी। इसके लिए एक विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए रविवार शाम से सोमवार पूरे दिन तथा गुरुवार शाम से शुक्रवार पूरे दिन तक मुख्य चौक पर बस, टेंपो, ऑटो एवं ई-रिक्शा सहित किसी भी यात्री वाहन के पिकअप एवं ड्रॉप की अनुमति नहीं होगी। सभी वाहनों को प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक स्थलों का ही उपयोग करना होगा। वहीं सोमवार एवं शुक्रवार को पहाड़पुर, खजुरिया और तुरकौलिया मार्ग पर मालवाहक एवं भारी वाहनों के प्रवेश पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एसडीपीओ रवि कुमार ने मेला ड्यूटी में तैनात सभी पुलिसकर्मियों को सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने महिला सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, जेबकतरी एवं छिनतई जैसी घटनाओं की रोकथाम तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने पर जोर दिया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पचपकरी में फर्जी क्लिनिकों का जाल, कार्रवाई के इंतजार में मरीजों की सुरक्षा पर सवाल

» आरटीआई और जांच रिपोर्ट में कई क्लिनिक व जांच केंद्रों पर उठे सवाल, वर्षों से कार्रवाई नहीं; नए अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक ने जांच और कड़ी कार्रवाई का दिया भरोसा

बीएनएम@ अभिराम कुमार

पचपकरी। सिकरहना अनुमंडल के पचपकरी बाजार में संचालित निजी क्लिनिकों, नर्सिंग होम और जांच केंद्रों की वैधता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों और पूर्व में हुई विभागीय जांच के आधार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि बाजार में कई क्लिनिक और जांच केंद्र बिना आवश्यक पंजीकरण एवं मानकों के संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई निजी क्लिनिक आधुनिक अस्पतालों की तर्ज पर आकर्षक भवन, बड़े-बड़े बोर्ड और विभिन्न चिकित्सा सेवाओं के दावों के साथ मरीजों

को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीज इन्हें अधिकृत अस्पताल समझकर इलाज कराते हैं, जबकि कई संस्थानों की वैधता पर सवाल उठते रहे हैं। आरोप है कि कुछ केंद्रों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता के बिना गंभीर बीमारियों का इलाज और ऑपरेशन तक किए जाते हैं। कम खर्च में बेहतर इलाज का भरोसा देकर मरीजों को भर्ती किया जाता है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे संस्थानों की जांच नहीं हुई तो लोगों की जान से खिलवाड़ का खतरा और बढ़ सकता है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि बिना पंजीकरण संचालित क्लिनिकों के साथ-साथ कई मेडिकल स्टोर और जांच केंद्र भी नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। उनका कहना है कि समय-समय पर कार्रवाई की चर्चा तो होती है, लेकिन धरातल पर उसका असर दिखाई नहीं देता। इससे अवैध संस्थानों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों और पत्रकारों ने यह भी आरोप लगाया है कि ऐसे मामलों को उजागर करने वालों को दबाव में लेने या झूठे मुकदमों में फंसाने की कोशिश की जाती है। इस संबंध में सिकरहना अनुमंडल के नवपदस्थापित अनुमंडलीय अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि उन्होंने हाल ही में पदभार ग्रहण किया है। उनके अनुसार, पचपकरी क्षेत्र में संचालित नर्सिंग होम, जांच केंद्रों और मेडिकल दुकानों की स्थिति की जल्द जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी संस्थान बिना वैध अनुमति या नियमों के विरुद्ध संचालित पाए जाएंगे, उन्हें सील करने के साथ संबंधित संचालकों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डोपिंग का घुन

वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से भारत में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि हुई है, लेकिन खेल संस्थाओं या सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के पहले ही दिन जुडो खिलाड़ी अरुण कुमार को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के कारण इस आयोजन से बाहर कर दिया गया। इसके पहले कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी इसी टेस्ट में फेल होने के कारण इन खेलों में भाग लेने से रोक दिया गया था। खेलों की दुनिया में भारत के लिए यह नई शर्मनाक स्थिति है। हालिया वर्षों से विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी- वाडा- की रिपोर्ट में भारत दुनिया में डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है। एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, और कुश्ती में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। दरअसल, कई एथलीटों के डोप टेस्ट में विफल होने के कारण ग्लासगो गेम्स में भारत के वेटलिफ्टिंग कोटा में कटौती कर दी गई।

हाल में डोपिंग के मामले क्रिकेट, फुटबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों में भी सामने आए हैं। नतीजतन, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारत को उच्च-जोखिम वाली श्रेणी में डाल दिया है। एआईयू के इस निर्णय से खेल जगत में भारत की साख कमजोर हुई है। इसका नतीजा यह होगा कि अब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीटों को अधिक सख्त और अतिरिक्त परीक्षणों से गुजरना होगा। बड़े खेल आयोजनों से पहले भारतीय खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल होते रहे, तो अंतरराष्ट्रीय खेल संघ भारत के कोटा (प्रतिनिधित्व के लिए खिलाड़ियों की संख्या) में कटौती कर सकते हैं। यह आशंका भी है कि अन्य देश और प्रायोजक भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने लगें। मगर इन अंदेशों से भारतीय खेल प्रशासक बेपरवाह नजर आते हैं। वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से देश में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि होती रही है, लेकिन खेल संस्थाओं या भारत सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस समय भारत सरकार ने ओलिंपिक में अधिक मेडल जीतने की कथित योजनाओं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने जैसी महत्त्वाकांक्षी बातों में देशवासियों को उलझाए रखा है, उसी समय खेल की जड़ों को डोपिंग का घुन कुतरता जा रहा है।

नक्सल-मुक्त भारतः एकीकृत रणनीतियों से वामपंथी उग्रवाद पर निर्णायक विजय

भारत ने वामपंथी उग्रवाद से लगभग पूरी तरह मुक्त होने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अब देश का कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित नहीं है। यह परिवर्तन एक बहुआयामी और समन्वित रणनीति का परिणाम है, जिसमें सुरक्षा अभियान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों का पुनर्वास, आदिवासी कल्याण और सुशासन को समान

शांति व सुरक्षा के नए युग का शुभारंभः लगभग छह दशकों तक भारत वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से जूझता रहा। यह केवल एक सुरक्षा समस्या नहीं थी, बल्कि लाखों आदिवासी परिवारों और उन गांवों के लिए रोज़मर्रा की कठोर वास्तविकता थी, जो लंबे समय तक सड़कों, स्कूलों व समावेशी विकास के अवसरों से वंचित रहे। लगातार होने वाली हिंसा ने इन क्षेत्रों में जीवन को अनिश्चितता और भय से घेर रखा था। 31 मार्च 2026 को इस स्थिति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया और भारत की आंतरिक सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ। देश ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता प्राप्त की। मई 2014 में केंद्र सरकार के सत्ता में आने के समय रेड कॉरिडोर देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने मौजूद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक था। पहले अपनाए गए उपाय काफी हद तक बिखरे हुए और घटनाओं पर आधारित थे। इनमें अक्सर समस्या की मूल वजहों को दूर करने के बजाय उसके तत्काल प्रभावों से निपटने पर अधिक जोर दिया जाता था। इसके बाद वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास, बुनियादी ढांचे, सुशासन और जनकल्याण को एक साथ जोड़ने वाली व्यापक एवं एकीकृत रणनीति अपनाई गई। इसी समन्वित दृष्टिकोण ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव रखी।

पिछले बारह वर्षों में यह बदलाव तीन परस्पर जुड़े और एक-दूसरे को मजबूत करने वाले प्रयासों के माध्यम से आया। लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करने के लिए सुरक्षा अभियानों को सुदृढ़ किया गया, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित किए गए तथा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक लगातार पहुंच बनाई गई। बुनियादी ढांचे के विस्तार के तहत भौतिक व डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया, दूर-दराज के क्षेत्रों तक प्रशासन की पहुंच बढ़ाई गई और दीर्घकालिक आर्थिक अवसरों का सृजन किया गया। वहीं, कल्याणकारी गतिविधियों में सम्मान, समावेशी सेवाओं की पहुंच, सांस्कृतिक समावेशन और प्रभावित समुदायों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इनमें से प्रत्येक प्रयास ने दूसरे प्रयासों को और मजबूत किया। सुरक्षा ने विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया, विकास ने लोगों का विश्वास गहरा किया और विश्वास ने कल्याणकारी पहलों को गति प्रदान की। यह कोई क्रमिक प्रक्रिया नहीं थी, जिसमें एक कदम के बाद दूसरा कदम उठाया गया हो; बल्कि यह शांति, विकास एवं विश्वास को लगातार मजबूत करने वाली एक सशक्त और अविच्छिन्न कड़ी थी।

सरकार पर भरोसा बहाल करनाः इस प्रयास का उद्देश्य संवेदनशील और दूर-दराज़ के क्षेत्रों में सरकार की निरंतर उपस्थिति के माध्यम से लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करना था। प्रभावी व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकारी संस्थाओं के बीच तालमेल को और मजबूत किया गया। इस समग्र दृष्टिकोण ने स्थानीय समुदायों और सरकारी तंत्र के बीच लंबे समय से बनी दूरी को कम करने तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2014 से पहले हिंसा का चरम दौरः वामपंथी उग्रवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी विद्रोह से हुई। यह आंदोलन माओवादी विचारधारा और सशस्त्र क्रांति के सिद्धांत से प्रेरित था। इसका मूल विचार हिंसक क्रांति के माध्यम से सत्ता हासिल करना था। समय के साथ वामपंथी उग्रवाद का विस्तार कई क्षेत्रों में हुआ। उग्रवादी संगठनों ने हथियारों और संसाधनों के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों तथा पुलिस शस्त्रागारों को भी निशाना बनाया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नक्सलियों के लगभग 92 प्रतिशत हथियार पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। वर्ष 2004 में कई उग्रवादी संगठनों के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में विलय के बाद यह संगठन और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली हुआ। इसके परिणामस्वरूप वामपंथी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया। साल 2004 से 2014 का दशक वामपंथी उग्रवाद के इतिहास में सबसे हिंसक दशकों में से एक था। हिंसा 2010 में अपने चरम पर थी, जब एक ही साल में 1,936 घटनाएं हुईं और 720 नागरिकों की मौत हुई। पूरे दशक में हिंसा की 17,542 घटनाएं हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 1,913 जवान और 5,019 नागरिक मारे गए। कोई एक जैसी राष्ट्रीय नीति नहीं थी। राज्य सरकारें अलग-अलग काम करती थीं। फिर भी, 2009 में सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि नक्सलवाद भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, जिसका दायरा कश्मीर और पूर्वोत्तर से भी कहीं ज़्यादा बड़ा था।

नीति में बदलावः बिखरी प्रतिक्रिया से एकीकृत रणनीति की ओर वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को मंजूरी मिलने के साथ वर्ष 2015 में एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके तहत पहले अपनाए जाने वाले कामचलाऊ और बिखरे हुए दृष्टिकोण की जगह एक व्यवस्थित, समन्वित और संपूर्ण सरकारी तंत्र को शामिल करने वाली रणनीति अपनाई गई। इस रणनीति के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती, विशेष प्रशिक्षण और सुरक्षा अभियानों को मजबूत करने के साथ-साथ वामपंथी उग्रवाद के सामाजिक-आर्थिक कारणों पर भी ध्यान दिया गया। इसके लिए सुरक्षा संबंधी व्यय, विशेष बुनियादी ढांचा योजना और विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) जैसी योजनाओं के माध्यम से आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए गए। 2017 में विशेष केंद्रीय सहायता योजना की शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 4,289.20 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इन गतिविधियों ने सुरक्षा उपायों के साथ-साथ विकास और जनकल्याण को गति देकर वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव मजबूत की।

विशेष बुनियादी ढांचा योजना (एसआईएस) के तहत वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में विशेष बलों, विशेष खुफिया शाखाओं और जिला पुलिस ढांचे को मजबूत करने तथा सुदृढ़ पुलिस थानों के निर्माण के लिए 1,761 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

वर्ष 2014–15 से अब तक सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत 3,805.04 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य सुरक्षा बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करना, उनकी क्षमताओं व प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना, आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादी कैडरों के पुनर्वास में सहायता करना तथा शहीद सुरक्षा कर्मियों और हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करना है।

पहली बार, भारत ने वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए बातचीत, सुरक्षा और समन्वय पर आधारित एक व्यवस्थित और व्यापक दृष्टिकोण अपनाया। गृह मंत्रालय के तहत अधिक केंद्रीकृत एवं समन्वित ढांचे के माध्यम से सरकारी प्रयासों को आगे बढ़ाया गया, जिससे नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और प्रभावित क्षेत्रों में कार्रवाई की गति को मजबूत किया जा सका। भारत को नक्सलवाद के भय और हिंसा से मुक्त करने का लक्ष्य केंद्रित योजना, प्रभावी रणनीति और मजबूत आपसी समन्वय के माध्यम से हासिल किया गया। 24 अगस्त 2024 को भारत सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सुरक्षा अभियानों में तेजी लाने, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने, बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप यह लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर हासिल कर लिया गया। यह उपलब्धि सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने वाली एकीकृत रणनीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है। सरकार ने बुनियादी ढांचे के विस्तार, विशेष बलों और बेहतर ऑपरेशनल तालमेल के ज़रिए नक्सल-प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की कमी को व्यवस्थित रूप से दूर किया।

हिरोशिमा दिवस... परमाणु बम की त्रासदी

डॉ.रमेश ठाकुर

हिरोशिमा त्रासदी की विभीषिका से संसार ने क्या सीखा?

मानव इतिहास में '6 अगस्त 1945' की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था।

अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रृधालजि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनाअवश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम 'एनाला गे' था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम 'लिटिल बॉय' यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था। जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। जापान के अलावा पूरे विश्व में इस मानव त्रासदी की निंदा प्रत्येक 6 अगस्त को की जाती है। नागासाकी पर गिराए बम से भी लाखों की संख्या में बेकसूर नागरिक मरे थे। हिरोशिमा दिवस वैश्विक स्तरीय पर परमाणु हथियारों के विरुद्ध एकजुट होने एवं समूचे संसार में अमन-शांति की वकालत के लिए भी याद किया जाता है। साथ ही भविष्य में ऐसे विनाशकारी युद्धों को रोकने के लिए परमाणु हथियारों को नष्ट करने की पुरजोर अपील भी करता है। हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन 'डेलानो रूजवेल्ट' के सन्दर्भ में 'लिटिल ब्वाय' और नागासाकी के बम को विन्सटन चर्चिल के सन्दर्भ में 'फैट मैन' भी कहा जाता है। फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति हुआ करते थे। वह द्वितीय विश्वयुद्ध और वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान बीसवीं सदी के सबसे क्रूर व्यक्तियों में गिने जाते रहे। यह त्रासदी उनकी ही देन थी।

पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि हिरोशिमा त्रासदी की ये तारीख निरस्त्रीकरण और आदर्शवादी की वह अवधारणा है जो पूरी तरीके से हथियारों की समाप्ति का समर्थन करती है। हालांकि, निरस्त्रीकरण या शस्त्र नियंत्रण कोई नई घटना नहीं है। इसको सर्वव्यापी मान्यता भले ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली हो। पर, इसका मौजूदा वक्त में नियंत्रण खुराफाती मुल्कों ने खत्म कर दिया है। जबकि, 19वीं शताब्दी में राष्ट्रों के मध्य निरस्त्रीकरण के लिए बकायदा समझौते भी हुए थे। हथियारों की मात्रा को घटाने में बहुत कुछ करने की जरूरत है। एकाध देश कुछ नहीं कर सकते। सभी को आगे आना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का कभी भी उल्लंघन नहीं किया। पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कभी कोई प्रयोग नहीं किया। भारत सदैव इस बात का पक्षधर रहा है कि परमाणु हथियारों का बेजा इस्तेमाल कभी ना किया जाए। हालांकि, वैश्विक लेबर पर परमाणु हथियारों के प्रतिबंध पर प्रयास बहुतेरे होते रहे। इस मसले पर 26 जनवरी 1946 को संयुक्त राष्ट्र ने अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। उसके एक साल बाद फरवरी 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद द्वारा परंपरागत हथियार आयोग की स्थापना भी की गई। सन 1952 में महासभा ने उपर्युक्त दोनों आयोगों को संयुक्त करके निरस्त्रीकरण आयोग के नाम से एक नया आयोग भी बनाया। आयोग को परंपरागत और परमाणु दोनों प्रकार के हथियारों के नियमन के संदर्भ में संधि के प्रारूप तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इतना सब कुछ होने के बाद भी मकसद सफल नहीं हुआ।

मेष राशि : आज का दिन लाभ ही लाभ देने वाला रहेगा। आज किसी नए स्रोत से अचानक धन लाभ होने से परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। इस राशि वाली महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है उन्हें अपने ननिहाल या मायके पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है। आज आपके विचारों को ऑफिस में सीनीयर्स की तरफ से पॉजीटिव रिसपॉन्स मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था में कुछ नया परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स तथा मीडिया संबंधी व्यवसाय में आज सुधार आएगा। आपके प्रयासों से आज रुका हुआ काम भी बन सकता है। इससे आप सुकून और एनरजेटिक महसूस करेंगे। आज दांपत्य जीवन में आपसी सपोरटिव व्यवहार उनके रिश्ते को मजबूत बनाएगा।

मिथुन राशि : लेखकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज उन्हें अपने लेखन शैली तथा अच्छे व्यवहार से जीवन में सफलता मिलने के अवसर प्राप्त होंगे और आज आपको एक बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। व्यापार बढ़ाने की योजनाओं पर आज एक बार फिर से विचार करेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इस राशि के लोगों को आज अपने परिवार के किसी सदस्यों से नये वस्त्रों की प्राप्ति होगी। युवाओं को आज उनके मनपसंद कंपनी से जॉब का ऑफर आएगा। आज किसी भी काम को पूरा करने के लिए आज आपको अपने मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि : आज का दिन व्यस्त रहने वाला है। आप अपनी योजनाओं को गोपनीय तरीके से लागू करें आज थोड़ी सी जागरुकता रखने से आपकी योजनाएं और काम सफल हो जाएंगे। इसके साथ ही अगर आज आप घर में परिवर्तन संबंधी निर्णय लेना चाहते है तो दिन अच्छा है। बिजनेस मैन के लिए भी आज का दिन शुभ है। इस राशि के लोगों का झुकाव आज अपने परिवारजनों के प्रति होगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन रोज से अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक माहौल सुखद और अच्छा रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। पिछले कुछ समय से चल रही समस्या छुटकारा मिलने और असंतुलित खर्चों को व्यवस्थित करने से आर्थिक स्थिति में ठहराव आएगा। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों को आज नई उपलब्धि हासिल होने पर मन प्रसन्न रहेगा। बच्चों का पढ़ाई में लगन देखकर मन में तसल्ली रहेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवन साथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। यह आपके अपने रिश्ते को संजोए रखने के लिए आवश्यक कदम होगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल रखने के लिए कम्युनिकेशन गैप न होने दें। सबसे बातचीत अवश्य करें।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। काम करने के तरीकों में नया बदलाव करेंगे तथा व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्द ही पूरे हो जाएंगे। आज आपको नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में फायदेमंद साबित होगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों से खास काम के सिलसिले में बातचीत हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए आज बहुत ही लाभदायक रहेगा। आज सुखद समाचार मिलने से भावनात्मक रूप से आपको तस्सली मिलेगी।

मकर राशि : आज दिन की शुरूआत बढ़िया होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। छात्रों को आज शुभ सूचना मिलने वाली है जिससे करियर में नया बदलाव आयेगा। कहीं फंसा हुआ पैसा आज वापस मिलने की उम्मीद है, इसलिए अपना ध्यान उस पर केंद्रित रखें। पुराने समय को भूलकर आगे बढ़ेंगे तो सफल होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को आज अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि :आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे। आज आपको यह ध्यान रखन होगा कि नकारात्मक विचार आपके मनोबल को कमजोर कर सकते हैं। आपकी मेहनत से आय में इजाफा होगा। इतने दिनों से जो दिमाग में चल रहा था, आज करने का दिन है। आज आप बेकार के तर्कों से बचें।

विधानसभा उपचुनाव की तीन सीटों ने दिया राजनीतिक संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय लोकतंत्र में उपचुनावों को अक्सर केवल रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया मान लिया जाता है, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक होती है। कई बार एक उपचुनाव आने वाले बड़े राजनीतिक परिवर्तनों की आहट बन जाता है। बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीटों पर आए हालिया नतीजों ने भी यही संकेत दिया है। इन तीन सीटों में बांकीपुर से जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत, दतिया में कांग्रेस की सफलता और मांजलपुर में भाजपा की जीत ने भारतीय राजनीति को नए विमर्श दिए हैं। परिणामों ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि मतदाता अब केवल परंपरागत राजनीतिक समीकरणों से संतुष्ट नहीं है, बल्कि स्थानीय नेतृत्व, विश्वसनीयता और वैकल्पिक राजनीति को भी गंभीरता से परख रहा है। इन चुनावों में सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर सीट की रही, जहां चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने अपनी पहली विधानसभा जीत दर्ज की। यह केवल एक उम्मीदवार की जीत नहीं बल्कि उस वैकल्पिक राजनीति की पहली बड़ी सफलता है, जिसकी बात वे पिछले कई वर्षों से कर रहे थे। बांकीपुर लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे क्षेत्र में जन सुराज जैसे अपेक्षाकृत नए दल का जीतना यह दर्शाता है कि यदि संगठन मजबूत हो, उम्मीदवार की व्यक्तिगत साख हो और जनता परिवर्तन के लिए तैयार हो तो स्थापित राजनीतिक दलों को भी चुनौती दी जा सकती है। रिपोर्टों के अनुसार भाजपा को अपने इस गढ़ में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। प्रशांत किशोर की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने वर्षों तक विभिन्न दलों के लिए चुनावी रणनीति बनाई, लेकिन जब स्वयं राजनीति में उतरे तो उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन, शिक्षा, रोजगार और प्रशासनिक सुधार को अपनी राजनीति का आधार बनाया। आलोचक भले ही इसे आदर्शवादी राजनीति कहें, लेकिन बांकीपुर की जनता ने यह संदेश दिया कि यदि कोई नेता लगातार जनता के बीच रहे और विश्वसनीयता बनाए रखे तो उसके लिए राजनीतिक जमीन तैयार हो सकती है।बिहार की राजनीति के संदर्भ में यह परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में लंबे समय से एनडीए और महागठबंधन के बीच ही सीधा मुकाबला देखने को मिलता रहा है। जन सुराज की सफलता ने इस द्विध्रुवीय राजनीति में तीसरे विकल्प की संभावनाओं को मजबूत किया है। इससे भविष्य में दोनों बड़े गठबंधनों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस की जीत ने यह साबित किया कि भाजपा के मजबूत संगठन के बावजूद विपक्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश की राजनीति में भाजपा का प्रभाव लगातार मजबूत दिखाई देता रहा है, लेकिन दतिया के मतदाताओं ने सत्ता पक्ष को यह संदेश दिया कि स्थानीय मुद्दों की अनदेखी का राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। कांग्रेस के लिए यह जीत केवल एक सीट की सफलता नहीं है बल्कि कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने वाली उपलब्धि भी है। पिछले कुछ वर्षों में लगातार चुनावी चुनौतियों का सामना कर रही कांग्रेस को ऐसे परिणाम संगठन को पुनर्जीवित करने का अवसर देते हैं। यदि पार्टी स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सफल रहती है तो वह आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है।हालांकि कांग्रेस को आत्ममुग्ध होने की आवश्यकता नहीं है। एक उपचुनाव की सफलता को व्यापक जनादेश मान लेना राजनीतिक भूल होगी। पार्टी को यह समझना होगा कि मतदाता केवल विरोध के आधार पर समर्थन नहीं देता, बल्कि सकारात्मक विकल्प भी चाहता है।गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा की जीत ने यह दिखाया कि पार्टी अभी भी अपने पारंपरिक मजबूत क्षेत्रों में संगठनात्मक बढ़त बनाए हुए है। यद्यपि भाजपा दो सीटें हार गई, लेकिन मांजलपुर को बचाकर उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसका जनाधार पूरी तरह कमजोर नहीं हुआ है। भाजपा नेतृत्व ने भी परिणाम स्वीकार करते हुए बांकीपुर और दतिया में आत्ममंथन की बात कही है। इन तीनों परिणामों को यदि एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि भारतीय मतदाता अब एक समान राजनीतिक व्यवहार नहीं कर रहा। बिहार में उसने नए विकल्प को मौका दिया, मध्य प्रदेश में विपक्ष को समर्थन दिया और गुजरात में सत्ता पक्ष पर भरोसा बनाए रखा। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण है।इन परिणामों से भाजपा के सामने कई चुनौतियाँ भी उभरती हैं। पिछले एक दशक में भाजपा ने मजबूत संगठन, प्रभावी चुनावी प्रबंधन और लोकप्रिय नेतृत्व के बल पर लगातार चुनावी सफलताएँ प्राप्त की हैं। लेकिन उपचुनावों ने संकेत दिया है कि केवल संगठन पर्याप्त नहीं है। स्थानीय असंतोष, उम्मीदवार चयन और क्षेत्रीय मुद्दों पर संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विशेष रूप से बिहार में भाजपा के लिए यह परिणाम आगामी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। यदि प्रशांत किशोर अपनी इस सफलता को व्यापक जन आंदोलन में बदलने में सफल होते हैं तो राज्य की राजनीति त्रिकोणीय हो सकती है। इससे पारंपरिक गठबंधनों की चुनावी गणित बदल सकती है।वहीं विपक्ष के लिए भी यह परिणाम कई सीख लेकर आए हैं। विपक्ष लंबे समय से भाजपा की चुनावी मशीनरी का मुकाबला करने की रणनीति खोज रहा है। इन उपचुनावों ने यह बताया कि यदि स्थानीय नेतृत्व मजबूत हो, संगठन सक्रिय रहे और जनता के वास्तविक मुद्दों को केंद्र में रखा जाए तो सत्ता पक्ष को चुनौती दी जा सकती है। एक अन्य महत्वपूर्ण संदेश यह है कि मतदाता अब राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों में स्पष्ट अंतर करता है। लोकसभा चुनाव में जिस दल को समर्थन मिलता है, वही दल विधानसभा या उपचुनाव में भी विजयी होगा—यह धारणा अब कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। मतदाता प्रत्येक चुनाव में अलग-अलग आधारों पर निर्णय ले रहा है।प्रशांत किशोर की जीत ने चुनावी रणनीति और वास्तविक जननेतृत्व के बीच की बहस को भी नया आयाम दिया है। अब तक उन्हें एक सफल चुनावी सलाहकार के रूप में देखा जाता था, लेकिन विधायक बनने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने वादों को व्यवहार में बदलने की होगी। जनता अब उनसे केवल आलोचना नहीं बल्कि समाधान की अपेक्षा करेगी।यदि वे विधानसभा में प्रभावी भूमिका निभाते हैं, जनहित के मुद्दे उठाते हैं और संगठन का विस्तार करते हैं तो जन सुराज बिहार की राजनीति में स्थायी स्थान बना सकता है। लेकिन यदि यह सफलता केवल व्यक्तिगत लोकप्रियता तक सीमित रह गई तो इसका प्रभाव सीमित भी हो सकता है।कांग्रेस के लिए दतिया की जीत संगठनात्मक पुनर्निर्माण का अवसर है। पार्टी यदि इसे केवल राजनीतिक प्रचार तक सीमित रखती है तो इसका लाभ अल्पकालिक होगा। लेकिन यदि वह स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाकर जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहती है तो यह सफलता आगे भी दोहराई जा सकती है।भाजपा के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। पार्टी को यह समझना होगा कि लगातार चुनावी सफलताओं के बावजूद स्थानीय स्तर पर असंतोष पनप सकता है। उम्मीदवार चयन, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और स्थानीय विकास के मुद्दों पर गंभीरता आवश्यक है।लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य यही है कि मतदाता समय-समय पर राजनीतिक दलों को संदेश देता रहता है। उपचुनावों के परिणाम भी उसी संदेश का हिस्सा हैं। जनता किसी दल को स्थायी समर्थन या स्थायी अस्वीकृति नहीं देती। उसका निर्णय प्रदर्शन, विश्वास और अपेक्षाओं पर आधारित होता है। इन परिणामों का राष्ट्रीय राजनीति पर भी मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा। भाजपा को संगठनात्मक मजबूती के साथ स्थानीय रणनीति सुधारनी होगी। कांग्रेस को यह विश्वास मिलेगा कि वह अभी भी मुकाबले में है। वहीं प्रशांत किशोर जैसे नए राजनीतिक प्रयोगों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। इन तीन उपचुनावों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि भारतीय लोकतंत्र में मतदाता अब पहले से कहीं अधिक जागरूक, स्वतंत्र और विवेकपूर्ण निर्णय लेने वाला बन चुका है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तन्वी शर्मा ने कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, आसान (दक्षिण कोरिया)

भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा ने कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीसरी वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय तन्वी ने चीन की युआन आन ची को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया।

हाल ही में ताइपे ओपन का खिताब जीतने वाली तन्वी ने पूरे मुकाबले में आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। अब दूसरे दौर में उनका सामना भारत की ही श्रियंशी वालिशेट्टी से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की पाई यू-पो को 21-15, 21-14 से हराया। पुरुष युगल में भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और कृष्ण प्रसाद गरगा ने प्रतियोगिता का बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की वोरापोल थोंगसा-ंगा और चालोएमपोन चारोएनकिटामोर्न की जोड़ी को 21-16, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 118वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने विश्व नंबर 48 थाई जोड़ी को 42 मिनट में शिकस्त दी। पुरुष एकल क्वालीफाइंग में तुषार सुवीर ने पहले दौर में कनाडा के शौर्य गुल्लैया को 21-15, 21-12 से हराया, लेकिन क्वालीफाइंग फाइनल में जापान के शोगो ओगावा से 21-10, 21-17 से हार गए और मुख्य ड्रॉ में पहुंचने से एक कदम दूर रह गए। वहीं, पुरुष युगल में अर्जुन रेड्डी पोचाना और अचुतादित्य राव दोड्डावरापु की जोड़ी को दूसरे वरीय चोई सोल ग्यू और गोह वी शेम से 21-3, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल में प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी भी पहले दौर में बाहर हो गई। उन्हें जापान की दूसरी वरीय रिरिना हिरामोतो और कोकोना इशिकावा की जोड़ी ने 21-15, 21-13 से पराजित किया।

बार्सिलोना ने ब्राजील की फॉरवर्ड केरोलिन निकोली को मैनचेस्टर सिटी से जोड़ा

एजेंसी, बार्सिलोना

स्पेन के दिग्गज क्लब बार्सिलोना ने ब्राजील की स्टार फॉरवर्ड केरोलिन निकोली को मैनचेस्टर सिटी से चार वर्ष के अनुबंध पर अपने साथ जोड़ लिया है। ब्राजील के लिए 2018 में सीनियर पदार्पण करने वाली केरोलिन 2022 में महिला कोपा अमेरिका जीतने वाली ब्राजीलियाई टीम की सदस्य भी रही हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह महिला सुपर लीग (डब्ल्यूएसएल) के इतिहास का सबसे महंगा ट्रांसफर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बार्सिलोना ने 26 वर्षीय केरोलिन के लिए लगभग 15 लाख यूरो (करीब 17.3 लाख अमेरिकी डॉलर) की ट्रांसफर फीस अदा की। इससे पहले डब्ल्यूएसएल से सबसे महंगा ट्रांसफर कनाडा की ओलिविया स्मिथ का था, जो पिछले वर्ष लिवरपूल से आर्सेनल एक करोड़ पाउंड में गई थीं। केरोलिन जनवरी, 2025 में नॉर्थ कैरोलाइना करेज से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुई थीं। उन्होंने पिछले सीजन में क्लब को महिला सुपर लीग और महिला एफए कप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बार्सिलोना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, "केरोलिन ने अपने करियर के दौरान खुद को एक संपूर्ण खिलाड़ी के रूप में विकसित किया है। वह अब बार्सिलोना की जर्सी पहनने और दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण टीमों में से एक के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए तैयार हैं।" बार्सिलोना ने अपने बयान में आगे कहा, "केरोलिन निकोली का अनुबंध क्लब की महत्वाकांक्षा का एक और बड़ा संकेत है। हमारा लक्ष्य दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को साथ लाकर शीर्ष स्तर पर बने रहना और उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करना है।" बार्सिलोना ने लगातार सात बार स्पेनिश महिला लीग (लीगा एफ) का खिताब जीता है, जबकि 2020 के बाद से क्लब चार बार यूईएफए महिला चैंपियंस लीग का विजेता भी बन चुका है। टीम अपने नए लीगा एफ अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को सीडी टेनेरिफ़ के खिलाफ करेगी।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

एजेंसी, अल्जीयर्स : अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है। एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है। इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है। एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा। अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सीए ने भारतीय मूल के नील को अंडर-19 टीम में शामिल किया

एजेंसी, सिडनी

भारत को जिस प्रकार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के तौर पर एक उभरता हुआ सितारा मिला है। वैसा ही एक सितारा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को भी मिल गया है। संयोग की बात ये है कि ये उभरता क्रिकेटर नील पटेल भी भारतीय मूल का है। युवा सलामी बल्लेबाज नील पटेल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया है। इसी कारण इस बल्लेबाज को अगले माह 13 सितंबर से होने वाले भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। नील को ऑस्ट्रेलिया के 16 सबसे होनहार और उभरते हुए क्रिकेटरों की सूची में भी जगह मिली है जिससे उनकी असाधारण खेल क्षमता का अंदाजा होता है। नील ने बहुत कम उम्र में ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और एज-ग्रुप टूर्नामेंट्स में काफी अधिक रन बनाये हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के सबसे रोमांचक और आक्रामक युवा बल्लेबाजी प्रतिभा में से एक माना जाता है। न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी ठोस तकनीक, क्रीज पर गजब के संयम और लंबी पारियां खेलने की क्षमता से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए पटेल ने सिर्फ़ 16 साल की उम्र में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने एक कैलेंडर साल में 1,000 से ज़्यादा रन बनाकर सिडनी प्रीमियर क्रिकेट फ़र्स्ट ग्रेड के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक बनने का कारनामा किया था।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए आरडी इंडस्ट्रीज का आईपीओ लॉन्च, 12 अगस्त को लिस्टिंग संभव

एजेंसी, नई दिल्ली

लेड और लेड एलॉय के प्रोडक्ट्स तैयार करने और उनकी रिसाइक्लिंग करने का काम करने वाली कंपनी आरडी इंडस्ट्रीज का 425.87 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में सात अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद दस अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन शाम 3:45 बजे तक इस आईपीओ को 2.61 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 50 रुपये से लेकर 53 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 281 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 281 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,890 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,609 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 3,653 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,03,52,358 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 320 करोड़ रुपये के 6,03,77,358 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 106 करोड़ रुपये के 1,99,75,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। आरडी इंडस्ट्रीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 8.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 33.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 84.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 463.39 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 743.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,168.88 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 142.36 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 165.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 182.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और अमेरिकी बाजार में चिप शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के कारण ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। क्रूड ऑयल मार्केट में आई नरमी और चिप स्टॉक्स में आई जोरदार तेजी के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 136.02 अंक यानी 1.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,736.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 671.10 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगा कर 26,584.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

स्टॉक मार्केट में एचआर हाइजीन ने किया निराश, गिरावट के साथ बंद हुए शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

सैनिटरी पैड, बेबी डायपर और एडल्ट केयर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से से ये शेयर उछल कर 91 रुपये के स्तर तक पहुंचे और बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता भी लगा दिया। हालांकि, बाद में खरीदानों ने लिवाली शुरू कर लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद ये शेयर 87.95 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 0.06 प्रतिशत का नुकसान हो गया। एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड का 53.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 11.83 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61,31,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 11 करोड़ रुपये के 12,25,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 43 करोड़ रुपये के 49,05,600 नए शेयर जारी हुए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी राजकोट में नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 11.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 85.33 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 115.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

स्टॉक मार्केट में मणिपाल हेल्थ की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मणिपाल हॉस्पिटल्स के नाम से देश के कई शहरों में हेल्थकेयर सुविधा देने वाली कंपनी मणिपाल हेल्थ इंटरप्राइजेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 590 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 11.02 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 655 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10.51 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 652 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 662 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुर हो जाने की वजह से इसने 635 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 653.05 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपन के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 63.05 रुपये यानी 10.69 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। इस कंपनी का 9,275.22 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.98 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स में तेजी, निफ्टी पर बना दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती घंटे के दौरान मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। मजबूत वैश्विक संकेतों और कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट की वजह से बीएसई का सेंसेक्स आज 626.43 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,055.38 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव पर जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 300 अंक से अधिक गिर कर 78,745.61 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार होता हुआ नजर आने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 359.31 अंक की मजबूती के साथ 78,788.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने का भाव आज 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

महारानी सीजन 4 के लिए तैयारी शुरू, रानी भारती बनकर कब लौटेंगी हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी की लोकप्रिय सीरीज महारानी के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं। सोनी लिव पर आए इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने रानी भारती का किरदार निभाकर खूब वाहवाही बटोरी। खबर है कि निर्माताओं ने सीरीज के चौथे सीजन को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मुख्य रचनात्मक टीम भी वापस आ रही है। इस हफ्ते से हुमा महारानी सीजन 4 की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महारानी सीजन 4 का शूटिंग कार्य 6 अगस्त से शुरू किया जाएगा। अपने किरदार रानी भारती के रूप में अभिनेत्री फिर से वापसी करेंगी। कुछ वक्त शूटिंग करने के बाद, हुमा थोड़े समय के लिए ब्रेक लेकर आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के प्रचार में जुटेंगी। यश अभिनीत यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें हुमा के अलावा, कियारा आडवाणी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, टॉक्सिक के प्रचार अभियान के बाद, हुमा बाकी बची शूटिंग पूरी करने के लिए महारानी के सेट पर वापस लौटेंगी। हालांकि, नए सीजन के लिए किसी और कलाकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कहानी को लेकर भी जानकारी को गुप्त रखा जा रहा है, हालांकि निर्माता जनवरी, 2027 में सीरीज को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हुमा को आखिरी बार फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में देखा गया था। 'महारानी' के पिछले तीन सीजनों ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सफलता के नए आयाम गढ़े हैं। एक सीधी-सादी और अनपढ़ गृहिणी से लेकर बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने और फिर राजनीतिक षड्यंत्रों का डटकर मुकाबला करने तक, 'रानी भारती' के सफर ने दर्शकों को लगातार बांधे रखा है। तीसरे सीजन के अंत ने जिस मोड़ पर कहानी को छोड़ा था, उसने दर्शकों के मन में चौथे सीजन को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी थी। अब नए सीजन की घोषणा के साथ ही फैंस यह जानने के लिए बेताब हैं कि इस बार सत्ता के गलियारों में कौन सा नया भूचाल आने वाला है।

नई चुनौतियों का सामना और निर्माताओं का मास्टरप्लानः निर्माताओं का कहना है कि चौथा सीजन पहले के मुकाबलों से कहीं ज्यादा बोल्ड, मनोरंजक और रणनीतिक रूप से जटिल होने वाला है। चौथे सीजन की पटकथा पर लंबे समय से काम चल रहा था, ताकि कहानी के रोमांच और मौलिकता को बरकरार रखा जा सके। मुख्य रचनात्मक टीम के वापस आने से यह साफ है कि मेकर्स सीरीज के सिग्नेचर टोन और बिहार की जमीनी राजनीति के फ्लेवर से कोई समझौता नहीं करना चाहते। हालांकि अभी सह-कलाकारों के नामों पर सस्पेंस बना हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि इस बार कुछ नए और दिग्गज चेहरों की एंट्री भी हो सकती है, जो रानी भारती की राह में नई मुश्किलें खड़ी करेंगे।

हुमा कुरैशी का व्यस्त शेड्यूल और दर्शकों का इंतजारः हुमा कुरैशी के लिए आने वाला समय बेहद व्यस्त और रोमांचक रहने वाला है। एक तरफ जहाँ वे 'टॉक्सिक' जैसी बहुचर्चित पैन-इंडिया फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं, वहीं दूसरी तरफ 'महारानी 4' के साथ वे अपनी डिजिटल सल्तनत को और मजबूत करेंगी। जनवरी 2027 में संभावित रिलीज़ की खबर ने दर्शकों के इंतजार को एक निश्चित तारीख दे दी है। भले ही चौथे सीजन के आने में अभी वक्त हो, लेकिन 6 अगस्त से शुरू हो रही शूटिंग की खबर ने इतना तो साफ कर दिया है कि बिहार के राजनीतिक ड्रामे का सबसे चर्चित चेहरा बहुत जल्द एक बार फिर अपनी दहाड़ से स्क्रीन पर राज करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

निम्रत कौर की सीरीज जॉब ट्रैफिकिंग का हुआ ऐलान
ऑनलाइन स्कैम की काली दुनिया से उठेगा पर्दा

निमरत कौर अपनी नई ओटीटी परियोजना जॉब ट्रैफिकिंग को लेकर चर्चा में आ गई हैं। ऑनलाइन घोटालों और धोखाधड़ी पर आधारित ये एक सर्वाइवल ड्रामा है, जिसकी शूटिंग उन्होंने शुरू कर दी है। वेब सीरीज में उनके साथ अभिनेता रोशन मैथ्यू, काव्या त्रेहन और पवन मल्होत्रा भी मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे। 8 एपिसोड वाली जॉब ट्रैफिकिंग का निर्माण सेलेक्ट मीडिया होल्डिंग्स और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। अमेजन प्राइम वीडियो ने जॉब ट्रैफिकिंग का ऐलान करते हुए इसका प्रोमो भी जारी किया है। सीरीज जॉब ट्रैफिकिंग का निर्देशन फिल्ममेकर प्रशांत नायर ने किया है. उन्होंने ही इसकी कहानी को तैयार भी किया है. सीरीज को सेलेक्ट मीडिया होल्डिंग्स और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है. वहीं, इसके प्रोड्यूसर प्रतीक खन्नूजा, समीर चंद, विकेश भूटानी और शुजात सौदागर हैं. बत दें, फिलहाल मेकर्स ने इसकी अनाउंसमेंट की है और साथ ही ये बताया है कि ये एक हाई-इंटेंसिटी सर्वाइवल ड्रामा होने वाली हैं, जिसमें इमोशंस, सस्पेंस और लड़ाई देखने को मिलेगी. इस आठ एपिसोड की सीरीज में दमदार कलाकार नजर आने वाले हैं. एक्ट्रेस निमरत कौर इसमें लीड रोल में नजर आएंगी. इनके अलावा रोशन मैथ्यू, काव्या त्रेहान और दिग्गज एक्टर पवन मल्होत्रा भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे. बता दें, ये सभी किरदार अपने-अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं. ऐसे में दर्शकों की उम्मीदें इन्हें लेकर काफी ज्यादा बढ़ गई हैं.

इसकी कहानी भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बैकड्रॉप पर बुनी गई है, जो युवाओं को दूसरे देशों में बड़ी कंपनियों में सपनों की नौकरी का झांसा देकर होने वाली ठगी का आईना दिखाएगी। मुख्य रूप से निमरत की यह सीरीज पिग बुचरिंग नामक घोटालों की पड़ताल करती है। फिलहाल शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसकी रिलीज तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है। फिलहाल मेकर्स ने सीरीज की अनाउसमेंट की है और किरदारों के चेहरे से पर्दा उठाया है. वहीं, इसकी रिलीज डेट का अभी ऐलान नहीं किया गया है. फिलहाल सीरीज की शूटिंग चल रही हैं और माना जा रहा है कि कुछ महीनों बाद मेकर्स इसका ट्रेलर और रिलीज डेट भी जारी करेंगे.

फिल्म भाई तेरा स्टार है में राघव जुयाल की बहन का किरदार निभाकर छाई पार्वती ओमनाकुट्टन

बॉलीवुड एक्टर और डांसर राघव जुयाल इन दिनों फिल्म भाई तेरा स्टार है को लेकर चर्चा में हैं. उनकी ये कॉमेडी फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर रही. हालांकि, फिल्म की स्टारकास्ट लगातार सुर्खियां बटोर रही है. इसी बीच एक नाम जिसने लोगों का ध्यान खींचा है, वो है पार्वती ओमनाकुट्टन. पार्वती ओमनाकुट्टन फिल्म भाई तेरा स्टार है में राघव जुयाल (अजय) की बहन नताशा का किरदार निभा रही हैं. फिल्म में उनकी एक्टिंग को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और सोशल मीडिया पर भी उनकी खूब तारीफ हो रही है. ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर पार्वती ओमनाकुट्टन कौन हैं और उनका अब तक का सफर कैसा रहा है. पार्वती ओमनाकुट्टन जानी-मानी एक्ट्रेस, मॉडल और एक्स ब्यूटी क्वीन हैं. उनका जन्म 13 जुलाई 1987 को केरल के कोट्टायम में हुआ था, लेकिन उनकी परवरिश मुंबई में हुई थी. साल 2008 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था. इसके बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड 2008 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां वो फर्स्ट रनर-अप रहीं. साथ ही उन्हें मिस वर्ल्ड एशिया एंड ओशियाना का खिताब भी मिला. ब्यूटी पेजेंट में सफलता हासिल करने के बाद पार्वती ओमनाकुट्टन ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा. उन्होंने साल 2011 में फिल्म यूनाइटेड सिक्स से बॉलीवुड डेब्यू किया. इसके बाद वो तमिल फिल्म बिल्ला 2, हिंदी फिल्म पिज्जा और मलयालम फिल्म कसबा समेत कई फिल्मों में नजर आईं. पार्वती रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 7 में भी नजर आ चुकी हैं. भाई तेरा स्टार है से पहले वो शॉर्ट फिल्म दोबारा में नजर आई थीं. पार्वती सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपने फोटोशूट, ट्रैवल डायरी और प्रोफेशनल अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. अपनी फिटनेस और ग्लैमरस अंदाज की वजह से भी वो काफी चर्चा में बनी रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 62.2 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. भाई तेरा स्टार है की बात करें तो इस फिल्म के डायरेक्टर विवेक बी. अग्रवाल हैं. फिल्म में राघव जुयाल और संजय कपूर लीड रोल में हैं.

ओवरसीज में 'जना नायकन का धमाका, 11 दिनों में कमाए करोड़ों

'जना नायकन तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय की आखिरी फिल्म है. इस पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा को यूं तो मिले-जुले से लेकर खराब रिव्यू तक मिले बावजूद इसके ये फिल्म घरेलू और विदेशी बाजारों में अपनी कमाई बढ़ा रही है. खासकर ओवरसीज मार्केट में 'जना नायकन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल है और इसी के साथ इसने विदेशो में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. चलिए यहां 'जना नायकन की ओवरसीज की अब तक की कमाई जानते हैं. 'जना नायकन रिलीज से पहले ऑनलाइन लीक हो गई थी फिर इसे सीबीएफसी से सर्टिफिकेशन इश्यू के चलते काफी देरी का भी सामना करना पड़ा जिसके चलते लग रहा था कि इस पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म को थियेटर में चलने के दौरान काफी नुकसान हो सकता है लेकिन इसने 42.70 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अच्छी शुरुआत ठीक रही थी. लोगों के मिक्स्ड रिव्यू के चलते बाद के दिनों में इसकी कमाई में गिरावट आई, लेकिन विजय के वफादार फैन बेस ने इसे बुरी तरह गिरने से बचा लिया. इसी वजह से यह आसानी से करुप्पु (81.15 करोड़ रुपये) की कमाई को पीछे छोड़ते हुए विदेशी बाज़ार में 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फिल्म बन गई है. फिल्म की कमाई की बात करें तो रिलीज के11वें दिन, जना नायकन ने 4,321 शो में भारत में 10.70 करोड़ की नेट कमाई की. जिससे इसका भारत में कुल नेट कलेक्शन 175.60 करोड़ हो गया है वहीं ग्रॉस कमाई 204.92 करोड़ हुई है. वहीं विदेशों में, फिल्म ने 11वें दिन 3.00 करोड़ कमाए, जिससे ओवरसीज में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 91.00 करोड़ हो गया है. इसी के साथ 'जना नायकन की वर्ल्डवाइड कमाई 295.92 करोड़ रुपये हो गई है. 91 करोड़ की कमाई के साथ, जना नायकन ने वाझा 2 (85.75 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है और 2026 में ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. अब इसके निशाने पर दृश्यम 3 (111.7 करोड़) है जो लिस्ट में दूसरे नंबर पर है लेकिन जना नायकन के लिए इसे पछाड़ना मुश्किल है।

फिल्मों के साथ-साथ अब गाने भी बनाएंगे फरहान अख्तर, मिर्जापुर फिल्म से होगी शुरुआत

फरहान अख्तर की प्रोडक्शन कंपनी ने संगीत की दुनिया में अपना कदम बढ़ाया है। उन्होंने निर्माता रितेश सिधवानी के साथ मिलकर अपना नया म्यूजिक लेबल एक्सेल म्यूजिक लॉन्च कर दिया है।

इस लेबल को यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप का रणनीतिक शेयरधारक और विपणन एवं वितरण भागीदार के रूप में समर्थन प्राप्त होगा। फरहान ने ऐलान करते हुए कहा कि वह आने वाले कल के संगीत को आकार देने के लिए असाधारण कलाकारों और रचनाकारों के साथ साझेदारी कर रहे हैं। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपनी पोस्ट में बताया कि एक्सेल म्यूजिक की पहली रिलीज मिर्जापुरः द मूवी का साउंडट्रैक एल्बम होगा, जो 4 सितंबर, 2026 को रिलीज हो रही है। अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म का प्रमुख गाना हरियाणवी संगीत जगत के कलाकार ढांडा ने गाया है, जो बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। एक्सेल म्यूजिक में एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्मों के साउंडट्रैक के साथ-साथ अन्य फिल्म निर्माताओं और प्रोडक्शन हाउसों का संगीत भी उपलब्ध होगा।

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है भिंडी, जानिए इसके फायदे

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है, जो भारतीय रसोई में बहुत इस्तेमाल की जाती है। आमतौर पर इसे खाने में स्वादिष्ट माना जाता है, लेकिन इसके कई अनजाने स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। भिंडी में विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको भिंडी के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं। भिंडी का सेवन पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसके अलावा फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में भी मदद करता है और आंत को स्वस्थ रखता है।

भिंडी में मौजूद प्राकृतिक तत्व भी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं, जिससे पेट संबंधी समस्याओं का खतरा कम होता है। रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में है कारगर भिंडी का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इसमें प्राकृतिक गुण होते हैं, जो रक्त शर्करा को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से भिंडी खाने से इंसुलिन के स्तर में सुधार होता है, जिससे रक्त शर्करा को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, आपको मधुमेह है तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही अपनी डाइट में कुछ भी शामिल करें। अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो अपनी डाइट में भिंडी को जरूर शामिल करें। इसमें मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप कम कैलोरी लेते हैं। इसके अलावा भिंडी में कम कैलोरी होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

भिंडी का सेवन शरीर की ऊर्जा को बढ़ाता है, जिससे शरीर अधिक कैलोरी जलाता है और वजन घटाने में मदद मिलती है। भिंडी में विटामिन होते हैं, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये विटामिन दृष्टि क्षमता को सुधारने में मदद करते हैं और आंखों की रोशनी को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं। नियमित रूप से भिंडी खाने से आंखों की समस्याओं का खतरा कम होता है और आंखों की रोशनी साफ रहती है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी भिंडी बहुत फायदेमंद होती है क्योंकि इसमें फोलेट नामक तत्व होता है, जो गर्भ में बच्चे के विकास में अहम भूमिका निभाता है। फोलेट गर्भावस्था के दौरान होने वाली समस्याओं से बचाव करता है। इसके अलावा गर्भावस्था में होने वाली कमियों को दूर करने में भी सहायक है। इसलिए गर्भवती महिलाओं के लिए इसे अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

BRIFF NEWS

Crew rescued after India-flagged ship hit by projectile sinks

New Delhi, Agency: Indian cargo ship MSV Faize Noore Oliya was hit by a projectile in Red Sea off Yemen Tuesday, causing the vessel to capsize and sink, shipping minister Sarbananda Sonowal said, adding all 14 seafarers, including 13 Indian nationals, have been rescued. India condemned this "unprovoked attack on the defenceless mechanised sailing vessel" and said continuing incidents of attacks on commercial shipping in the region are deeply worrisome. Sonowal said crew members were rescued by Yemeni coast guard and brought to Port of Mokha.

Govt dismisses reports of fuel quality issues says checks on

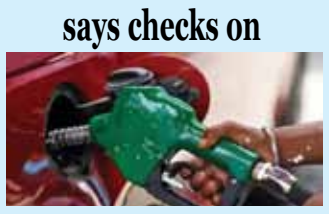

New Delhi, Agency: Dismissing reports of fuel quality issues at outlets, govt Tuesday said additional checks have been introduced by oil marketing companies (OMCs) to detect fuel contamination and adulteration. In a post on X, the petroleum ministry said OMCs were regularly monitoring fuel quality, water ingress and contamination, and that only two cases of chloride contamination had been detected so far.

"In addition to the advanced and elaborate testing protocols already in place, further checks have been instituted, including water ingress testing 8-12 times a day at over 87,000 outlets. Over 2,000 samples have also been tested for chloride/sulphide.

Tie compensation to functional disability, says SC

New Delhi, Agency: Holding that functional disability faced by a road accident victim should be the deciding factor for granting compensation and not doctor-certified medical disability, SC has granted compensation of Rs 83.3 lakh to a minor who met with an accident when she was just six months old and is now suffering from severe spinal cord and neurological injuries. Though the doctor certified her 90% disabled, a bench held that she was suffering from 100% functional disability and quantified the compensation on that basis. "...In the given facts of a case, a lesser physical disability may result in a much higher functional disability and in an appropriate case, even amount to complete loss of earning capacity," the bench said, adding it would be reasonable to assume that functional incapacity resulting out of a particular bodily injury may be higher and greater than what may be medically perceived.

Govt distances itself from Hasina event but Dhaka not convinced

New Delhi, Agency: Ahead of former Bangladesh PM Sheikh Hasina's media address, the Indian government sought to distance itself from the event saying that India doesn't endorse the views that may be expressed at the event. However, Dhaka, which had raised the issue with Indian high commissioner Dinesh Trivedi on Monday, remains unconvinced as diplomatic sources said allowing Hasina to make a political speech might rock an already unsteady relationship.

Hasina, who has announced she plans to return to Bangladesh in December despite the death sentence awarded to her, is scheduled to virtually address a media event at the foreign correspondents' club on Wednesday evening.

This would be Hasina's first media address since she fled to India after being deposed on August 5, 2024.

The MEA said that the interaction was being organized by a private media entity. "The government has no involvement whatsoever in it. Neither does it endorse any views that may be expressed at the forum," said spokesperson Randhir Jaiswal. The ministry recently told a Parliamentary committee that while providing refuge to Hasina, India had strictly adhered to the principle that no political activity is directed against any other country from Indian soil.

The Indian government also for the first time confirmed that Bangladesh PM Tarique Rahman had been invited by India for the BRICS summit that it will host in September. While PM Narendra Modi had earlier invited Rahman to India for a bilateral visit, the government said that the invitation on this occasion is for a BRICS outreach session and in Rahman's capacity as the current chair of BIMSTEC. While Bangladesh aspires for BRICS membership and has already received support from Russia and China for its candidature, Rahman will likely be wary of any domestic fallout of travelling to India amid the unresolved Hasina extradition issue.

Sudden drop in altitude: Flyers injured as Air India's Phuket-Delhi flight encounters turbulence

New Delhi, Agency: Some passengers and crew members onboard Air India's Phuket-Delhi flight (AI 2379) suffered injuries when the aircraft encountered turbulence Tuesday morning, causing a sudden drop in altitude by 300 feet. An AI with medical support received the 134 passengers onboard the Airbus A320 on arrival just after 11 am. Over 10 passengers and two crew members are learnt to have been taken to the Medanta medical centre at the airport. Subsequently, 14 injured - 10

passengers and four crew members - were shifted to Medanta Hospital in Gurugram and India Spinal Injury Centre in Vasant Kunj. An AI spokesperson said the aircraft "experienced a brief in-flight turbulence-related event during cruise, resulting in a momentary change in altitude. The aircraft landed safely in Delhi and all passengers and crew have safely disembarked. There have been no serious injuries reported as of now. A small number of passengers and crew members with minor injuries requiring medical assessment have been taken to a medical facility at the airport for precautionary examination and care by Air India's airport team and medical personnel."

The A320 had taken off from Phuket at 8.27 am and landed in Delhi just after 11 am (all timings local).

US Congressman warns FCRA Bill could affect India-US ties

New Delhi, Agency: A US lawmaker on Tuesday criticised the amendments proposed to India's foreign funding law, alleging that they could allow the government to take over churches and religious charities and warning that the issue could affect India-US ties.US Congressman Riley Moore said the proposed changes to the Foreign Contribution (Regulation) Act (FCRA) amounted to "a clear attack against Christians" and urged India not to proceed with the legislation in its current form.

In a post on X, the Republican Congressman from West Virginia said Christianity had a long history in India dating

back to the arrival of St Thomas the Apostle on the Malabar Coast.

"But despite this long Christian history, India's Parliament is considering amending Foreign Contribution Regulation Amendment (FCRA) rules to permit government takeovers of churches and religious charities," Moore wrote. "This is a clear attack against Christians. If this bill proceeds in this way, it would be a point of major concern in our bilateral relationship with India," he added.

Child rights body takes up with Meta issue of CSAM ads on Instagram

New Delhi, Agency: National Commission for Protection of Child Rights (NCPCR) has taken up the issue of alleged advertisements linked to child sexual exploitative and abuse material (CSAM) with Meta and has instituted an inquiry to determine the facts of the matter.

Persons in the know said NCPCR had taken note of a media report that alleged the presence of advertisements related to CSAM on the company's platforms. The the child rights body sought an explanation from Meta regarding the allegations and the company submitted its response about a week later.

After examining the reply, the panel has now decided to institute a formal inquiry into the matter to ascertain the facts and examine the issues raised in the media report. The development comes amid heightened scrutiny of online platforms over child safety. Authorities have increasingly been pressing social media and digital platforms to strengthen safeguards, improve content moderation systems and ensure compliance with Indian laws aimed at protecting children online.

From launch to data, tech to Isro facility, pvt firms to get 30-100% subsidy

Bengaluru, Agency: Indian private space companies and non-government entities will receive govt support ranging from 30% to 100% on everything from launch services and technology transfer to satellite data and access to Isro facilities under two new schemes of the Department of Space (DoS). The incentives - Launch Services Price-support Scheme (LSPS) and the Price Support Scheme - being implemented by Indian National Space Promotion and Authorisation Centre (IN-SPACe) are aimed at lowering entry barriers, making Indian space businesses globally competitive and accelerating private participation across the sector.

The larger of the two initiatives is the Launch Services Price-support Scheme, with a budget of Rs 800 crore over five years until June 2031. The scheme seeks to boost domestic commercial launch operations and strengthen India's position as a global launch hub.

IN-SPACe chairman Pawan Goenka told Media: "The idea is to make the launches competitive. Therefore, we are trying to defray the cost of launch, thereby making the launch cost globally competitive. The ultimate beneficiary will be the satellite launch."

Under Category A, eligible entities can receive up to 50% support for using Isro and DoS launch facilities. The benefit extends to NGEs, government entities and launch vehicle providers. Category B offers a 30% subsidy on contractual launch costs, or up to $3,000 per kg, whichever is lower, for Indian small launch vehicles carrying satellites, experiments or payloads weighing up to 500 kg. The support is available to satellite owners and operators. The subsidy would apply to launches by Indian private entities from Indian soil too. "It will be applicable to [Skyroot's] Vikram also. Any satellite launch by an Indian company... from Indian soil... we will directly pay the satellite guys $3,000 per kg," Goenka said.

'100% pure'? Stop misleading products' sale, FSSAI tells Dabur

New Delhi, Agency: If a food label says "100% pure", "100% natural" or "100% purity guaranteed", consumers may still need to read it with caution. In one of its strongest actions against misleading food labels, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) has ordered Dabur India to stop selling a range of products carrying such claims, saying they violated food labelling regulations and could mislead buyers.

The order covers products that include organic honey, apple cider vinegar, virgin coconut oil, sesame oil, cow ghee, coconut water and coconut milk, marketed with claims such as "100% juice", "100% purity" and "100% original". According to FSSAI, the company had made unauthorised organic claims, creating an impression of regulatory endorsement. The regulator also found that some claims on the labels were not permitted under Food Safety and Standards (Advertising and Claims) Regulations, 2018.

FSSAI has directed the company to immediately stop the sale of the identified products, recall products already in the market within 15 days and submit a compliance report. In a statement, Dabur said it believes the declarations on its product labels comply with the prevailing legal and regulatory framework and are consistent with long-standing industry practices. It said it stands by the purity and quality of its products and has never made misleading claims. Dabur said that it had begun removing the "100%" claims from product labels, advertisements and its website, in keeping with FSSAI's observations, adding that many products have already been updated while others are in the process of transition.

Government: 20 died in heatstrokes across 4 states

New Delhi, Agency: Twenty people have died due to heatstroke across four states while 4,853 cases of heatstroke were reported across country since March 1 this year, home ministry informed Lok Sabha Tuesday. Maharashtra recorded the highest number of fatalities and Telangana most heatwaves, junior home minister Nityanand

Rai said. Delhi reported 32 heatstroke cases and no deaths.

Rai stated MHA has, acting on the recommendations of the 16th Finance Commission, included heatwave and lightning in the list of notified natural calamities under the operational guidelines for administration of SDRF and NDRF for the 2026-31 award period. He added that a policy framework for providing relief assistance through SDRF and NDRF is now in place.

Big clean energy milestone: NPCIL cumulatively generates over 1,000 bn units of N-power, avoids 860 million tons of CO_2 emissions

New Delhi, Agency: In a milestone for India's clean energy production, Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL) has cumulatively generated over 1,000 billion units of nuclear electricity. NPCIL said Tuesday, "Since commencement of commercial operation, NPCIL's nuclear power plants have cumulatively generated over 1,000 billion units of clean electricity, thereby avoiding over 860 million tonnes of

CO_2 equivalent emissions into the environment." "This milestone reflects NPCIL's steadfast commitment to deliver safe, reliable and sustainable nuclear power, strengthening India's energy security while supporting the nation's clean energy transition and climate goals," it said on X

To give the scale of how much carbon emission is avoided, a typical passenger vehicle emits about 4.6 metric tonnes of CO_2 per year. Avoiding 860 million tonnes is equal to taking roughly 187 million gasoline-powered cars going off the road for an entire year. At least 860 million tonnes is roughly equivalent to the total annual greenhouse gas emissions of a major industrial country like Germany or Japan for a full year. Govt has drawn up a roadmap for reaching the 100 GW nuclear power capacity in the next two decades by 2047, as announced in the Nuclear Energy Mission in the Budget 2025-26, thereby increasing the share of reliable, low-carbon base-load nuclear energy in the country's energy mix and reaching the goal of net zero carbon emissions by 2070.